वर्ष :: 34 अंक : 42
पृष्ठ : 08 :: मूल्य 2 रुपए मात्र

मिथिला वर्णन
स्वच्छ पत्रकारिता, स्वस्थ पत्रकारिता
झारखंड-बिहार का लोकप्रिय हिन्दी साप्ताहिक

/mithilavarnan

बोकारो :: रविवार, 21 जुलाई, 2024 News & E-paper : www.varnanlive.com E-mail : mithilavarnan@gmail.com

पूरे परिवार के लिये आध्यात्मिक पत्रिका

अवश्य पढ़ें-
निखिल-मंत्र-विज्ञान
14ए, मेनरोड, हाईकोर्ट कॉलोनी, जोधपुर (राज.)
फोन : (0291) 2624081, 263809

‘साहब’ बनाम ‘माननीय’

शंकर रवानी हत्याकांड के बहाने नेता-प्रशासन आमने-सामने

कार्यालय संवाददाता
संवाददाता

बोकारो : शंकर रवानी। 44 साल

का एक कथित जिला बदर अपराधी, जिसे अज्ञात हमलावरों ने गोलियों से भूनकर सरेआम, सरेराह मौत की नींद सुला दी। हत्या, रंगदारी सहित लगभग एक दर्जन आपराधिक मुकदमों में नामजद शंकर की हत्या के बहाने इन दिनों बोकारो में राजनीतिक और प्रशासनिक हालात गरमा गए हैं। अधिकारी और जनप्रतिनिधि अब इसे लेकर सीधे-सीधे टकराव की स्थिति में देखे जा रहे हैं। धनबाद लोकसभा क्षेत्र के नवनिर्वाचित सांसद ढुल्लू महतो ने शंकर हत्याकांड को लेकर खुलकर एसपी पूज्य प्रकाश को दोषी माना है। उनका दावा है कि उन्होंने हत्या से 15 दिन पहले ही एसपी को संभावित खतरे की जानकारी दी थी, लेकिन बावजूद इसके एसपी ने कार्रवाई नहीं की। लिहाजा, बदमाशों ने शंकर की हत्या कर दी। इस बात को लेकर घटना के दिन से लेकर लगातार तकरार की स्थिति बरकरार है। सियासी जगत से लेकर प्रशासनिक महकमे तक इन दिनों इसी मामले की चर्चा है।

इधर, पुलिस वालों ने भी खोला मोर्चा, कहा- अमर्यादित भाषा वापस न ली तो पूरे राज्य में होगा आंदोलन

बोकारो एसपी पूज्य प्रकाश के साथ धनबाद सांसद ढुल्लू महतो की कथित अमर्यादित बातचीत के विरुद्ध पुलिस वालों ने भी मोर्चा खोल दिया है। शनिवार को रांची में झारखण्ड पुलिस एसोसिएशन की बैठक के दौरान बोकारो शाखा द्वारा समर्पित प्रतिवेदन पर चर्चा की गई। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि अगर सांसद ने अपने शब्द वापस न लिए तो एसोसिएशन पूरे राज्य में आंदोलन करेगा। कहा गया कि पुलिस अधीक्षक बोकारो के साथ अपशब्दों का प्रयोग किया गया, जो कानून और नैतिकता के दृष्टिकोण कहीं से न्यायोचित नही है। केन्द्रीय एसोसिएशन इसकी घोर निंदा करता है। एसपी जैसे वरीय पदाधिकारी के ऊपर असंसदीय एवं अपशब्द भाषा का प्रयोग करने से झारखण्ड पुलिस के पदाधिकारियों व कर्मियों पर काफी प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है, साथ ही पुलिसकर्मी काफी आहत हुए हैं। बोकारो जिला के पुलिस कर्मियों के साथ-साथ झारखण्ड राज्य के पुलिसकर्मी भी प्रभावित हुए हैं। एसोसिएशन के अध्यक्ष योगेन्द्र सिंह एवं महामंत्री मो. महताब आलम ने कहा कि सांसद द्वारा यदि अपनी असंसदीय एवं अमर्यादित भाषा को वापस नहीं लिया जाता है तो बाध्य होकर केन्द्रीय एसोसिएशन राज्य स्तरीय केन्द्रीय कार्यकारिणी की बैठक कर इस संबंध में आंदोलनात्मक रणनीति तय करेगी।

संयुक्त बैठक में की गई निंदा

बोकारो के सेक्टर 04 स्थित पुलिस क्लब में पुलिस एसोसिएशन, मेंस एसोसिएशन और जेप एसोसिएशन की एक संयुक्त कार्यकारिणी की बैठक में पुलिस एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने कहा कि सांसद ढुल्लू महतो की इस तरह की भाषा से पुलिस का मनोबल गिरेगा। उनके बयान से वे सभी आहत हैं। इस दौरान पुलिस एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने कहा कि अगर सांसद ढुलू महतो माफी नहीं मांगते हैं तो राज्य नेतृत्व के साथ मिलकर आंदोलन की रूपरेखा तय की जाएगी।

भाजपा नेता राजू दुबे पर शक, भतीजे की हत्या का प्रतिशोध होने की आशंका

शंकर रवानी की हत्या का शक मामले के मुख्य आरोपी कथित भाजपा नेता राजू दुबे पर है। मृतक शंकर रवानी के भाई जय प्रकाश रवानी ने हरला थाने में दर्ज अपनी प्राथमिकी में राजू दुबे सहित आठ लोगों पर शक जाहिर किया है। पुलिस इस हत्याकांड में शंकर के आपसी रंजिश के साथ-साथ शंकर द्वारा किये जा रहे धंधे से जुड़े हर परिस्थिति की जांच कर रही है। चूंकि शंकर जिला बदर था और उस पर लगभग एक दर्जन मामले दर्ज हैं, इन सभी पहलुओं को देखते हुए पुलिस गहराई से जांच कर रही है। एसपी ने एसआईटी बनाई है और बिहार-झारखंड के विभिन्न लोकेशनों पर पुलिस टीम राजू की तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है, परंतु खबर लिखे जाने तक कोई खास सफलता नहीं मिल सकी थी। वैसे, हरला पुलिस ने चास से अशोक सम्राट नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस का दावा है कि इसी के माध्यम से महुआर के एक ग्रामीण युवक ने शंकर रवानी की रेकी की थी। रेकी के बाद सटीक लोकेशन के आधार पर बिहार से आए शूटर ने हटिया मोड में 15 राउंड गोली चलाकर शंकर रवानी को मौत के घाट उतार दिया था। खबर है कि हत्याकांड के मुख्य आरोपी राजू दुबे लंबे समय से ऐश पॉड व स्लग डैम में ट्रांसपोर्टिंग व ठेकेदारी करता रहा है। शंकर रवानी अपना वर्चस्व दिखाते हुए उसके काम में अक्सर रोड़े अटकाता था। इस लड़ाई में राजू दुबे के भतीजे की हत्या कर दी गई थी। कयास लगाया जा रहा है कि संभवतः इसी हत्या के प्रतिशोध में शंकर रवानी की हत्या की गई। इसका खुलासा राजू की गिरफ्तारी से ही संभव हो सकेगा।

पहले दिन तुम-ताम, दूसरे दिन भी गरजे ... तो आगे आई डीसी

सांसद को पढ़ाया संसदीय गरिमा का पाठ

शंकर रवानी की हत्या के बाद बीजीएच पहुंचे सांसद श्री महतो ने सार्वजनिक रूप से फोन पर एसपी के साथ तुम-ताम वाले अंदाज में बात की, जिसका वीडियो काफी वायरल हुआ। बातचीत के दौरान उन्होंने एसपी को वर्दी के लिए अयोग्य तक कह दिया। उन्होंने एसपी से कहा, ‘नेतागिरी कर रहा है? छोटा-मोटा केस में बहुत एक्टिव हो जाता है और मर्डर केस में कान में तेल डालकर घर में सो जाता है। हम अपने खुद फोन किए थे ना... क्या ऐसा नहीं है? हम फोन किए थे कि नहीं... फोन किए थे कि नहीं हम? क्राइम बढ़ाना चाह रहा है कि घटाना चाह रहा है? बात करते हैं हम अभी डीजीपी से। क्या होगा, नहीं होगा, हम जानते हैं। वर्दी के लायक नहीं है। ई वर्दी का काम नहीं है, ठीक नहीं है। कोई काम नहीं करना, सिर्फ क्राइम करवाना है।’ उन्होंने एसपी पर बेरमो विधायक जयमंगल सिंह के कोयला-चोरी के कथित कारोबार को संरक्षण देने का भी आरोप लगाया। एसपी के बाद सांसद ने डीजीपी अजय कुमार सिंह और डीआईजी सुरेंद्र कुमार झा से भी बात की और एसपी को निलंबित करने की मांग की। इस मौके पर विधायक बिरंची नारायण भी मौजूद थे। इसके अगले दिन बोकारो न्याय सदन के सभागार में जिला विकास समन्वय एवं अनुश्रवण समिति (दिशा) की बैठक की शुरूआत में ही सांसद ने अपना बचा-खुचा आक्रोश निकाल दिया। बैठक में जिले के तमाम विधायक, उनके प्रतिनिधि व अन्य जनप्रतिनिधियों समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे। उस दौरान एसपी और एमपी में गरमा-गरम बहस होने लगी। गनीमत रही कि हालात बिगड़ते देख डीसी विजया जाधव ने मोर्चा संभाल लिया और उन्होंने लगे हाथों सांसद को संसदीय गरिमा का पाठ तक पढ़ा डाला।

खतरे के लिए फोन करने पर भी एसपी ने न की कार्रवाई : ढुल्लू हमसे किसी शंकर रवानी के बारे में नहीं कहा : पूज्य प्रकाश

दिशा की बैठक में सांसद श्री महतो ने कहा कि जब मृत ठेकेदार अपराधी था तो उसे गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया? संभावित खतरे की जानकारी देने के बाद भी एसपी ने क्यों नहीं कार्रवाई की? बहस के बीच एसपी का भी अंदर का आक्रोश फूट पड़ा। एसपी ने भी कड़े लहजे में कहा- ‘जिस तरह कल आपने अमर्यादित तरीके से बात की, हमलोग भी कर सकते हैं, लेकिन हमलोग बंधे हैं। आप भी लोकसेवक हैं, हम भी लोकसेवक है। आपने 15 दिन पहले हरला थाने में एक मामला विशेष के बारे में कहा था, किसी शंकर रवानी के बारे में नहीं कहा था।’ इसके बावजूद हम उनके द्वारा बताए गए केस को देख रहे थे। इसी बीच मुहर्रम आ गया।

जिसने खुद कानून तोड़ा, उसके साथ और क्या होगा : विजया जाधव

एमपी-एसपी की बहस के बीच डीसी विजया जाधव ने मोर्चा संभाल लिया। उन्होंने कहा - जिस व्यक्ति को न्यायालय द्वारा तड़ीपार किया गया था। वह फिर क्यों छुप-छुप कर रह रहा था। जो आदमी खुद आपराधिक चरित्र का था, जिसने खुद कानून तोड़ा, उसके साथ और क्या हो सकता है सर! डीसी ने कहा कि किसी को अधिकारियों को डिमोरलाइज करने का अधिकार नहीं है। डीसी ने कहा कि ‘दिशा’ की बैठक में इस मुद्दे को उठाना उचित नहीं था। उसके लिए अलग से फोरम है, जहां बात हो सकती थी। लगे हाथों डीसी ने सांसद को संसद की गरिमा का पाठ भी पढ़ा डाला। कहा - संसद की गरिमा को ध्यान में रखते हुए आप पदाधिकारियों से वार्तालाप करें, उसमें आपको सहयोग ही रहेगा। अगर सहयोग नहीं मिलेगा, तो चौबीसों घंटे सातों दिन उनका मोबाइल चालू रहता है। वह खुद इसमें सहयोग करेंगी।

आठ महीने भी हुआ था हमला, बाल-बाल बच गया था शंकर

विदित हो कि गुरुवार सुबह आठ बजे कार व बाइक से आए हमलावरों ने सरेआम शंकर रवानी की गोलियों से भूनकर हत्या कर दी। उसे 15 गोलियां मारी गईं थीं। शंकर उस वक्त सेक्टर 9 बसंती मोड़ पर अपनी गाड़ी की वाशिंग करा रहा था। इस घटना के विरोध में नयामोड़ चार घंटे तक जाम रहा। बोकारो जनरल अस्पताल में भी बड़ी संख्या में विस्थापित नेताओं व महुआर के लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी और महिलाओं व स्थानीय लोगों ने हरला थाने का भी घेराव कर दिया था। शंकर पर बीते 11 नवम्बर 2023 को भी गोली चली थी, जिसमें वह बाल-बाल बच गया था। वह घटना के समय हटिया मोड़ से नया मोड़ की ओर बाइक पर सवार होकर जा रहा था।

अधिकारी-जनप्रतिनिधि में टकराव अनुचित : चंद्रप्रकाश चौधरी

वहीं, इस मुद्दे पर जब दिशा के अध्यक्ष एवं गिरिडीह सांसद चन्द्र प्रकाश चौधरी से बात की गई तो उन्होंने भी भाजपा सांसद का पक्ष लेते हुए कहा कि जब काम नहीं होता है तो जनप्रतिनिधि आक्रोशित होते हैं और इस तरह की बात हो जाती है। उन्होंने कहा कि अधिकारी और जनप्रतिनिधि में टकराव न हो इसके लिए वह बैठक करेंगे। बैठक में मौजूद गोमिया विधायक ने भी इसे अनुचित बताया।

– संपादकीय –

कश्मीर की राह पर झारखंड?

दशकों पहले जो हालात कश्मीर घाटी के थे, पाकिस्तान परस्त आतंकवादियों ने जिस तरह वहां के अल्पसंख्यक हिन्दू समाज को अपना निशाना बनाकर उनका कत्लेआम कर उन्हें अपने घरों से बेघर कर दिया, धीरे-धीरे झारखंड भी आज उसी राह पर आगे बढ़ता जा रहा है। झारखंड के संथालपरगना स्थित सीमावर्ती इलाकों में बंगलादेशी घुसपैठियों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। घुसपैठियों द्वारा इस क्षेत्र में घुसपैठ कर यहां के आदिवासी समुदाय की भोली-भाली लड़कियों को लव जिहाद के चक्कर में फांसकर उनसे शादी करने और फिर यहीं बसकर यहां की जन-सांख्यिकी (डेमोग्राफी) में भारी बदलाव किए जाने के मामले तो वर्षों से सुर्खियों में रहे हैं, अब हिन्दू परिवारों पर हमले कर उन्हें अपने घरों से भागने पर विवश करने के मामले भी सामने आने लगे हैं। हालिया घटनाएं इसी ओर इशारा करती हैं। दरअसल, झारखंड के पाकुड़ से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां बांग्लादेशी घुसपैठियों के डर से गांव के सभी हिन्दू परिवार घर छोड़कर भाग गए हैं। जानकारी के अनुसार इसी हफ्ते पाकुड़ में एक मुस्लिम लड़के ने हिन्दू लड़की का वीडियो बनाकर वायरल करने का प्रयास किया था। इसके बाद हिन्दुओं ने इस घटना का कड़ा विरोध किया और लड़के की पिटाई भी हुई। इसके बाद मुस्लिमों ने हिन्दुओं के घरों के बाहर आकर जमकर ईट-पत्थर चलाए। घटना में कई लोगों के गंभीर रूप से चोटिल होने और कई घरों के क्षतिग्रस्त किये जाने की सूचना है। इस दौरान पुलिस को भी निशाना बनाया गया, जिसमें कई पुलिसकर्मियों के घायल होने की बात भी कही जा रही है। भाजपा के कई दिग्गज नेताओं का दावा है कि इस घटना से भयभीत होकर हिन्दू इलाके से पलायन करने को तैयार हैं। गांव वीरान हो रहा है। भाजपा नेताओं ने इन घटनाओं के पीछे बंगाल से आए बांग्लादेशी घुसपैठियों का हाथ बताया है। वहीं, भाजपा ने झारखंड की सोरेन सरकार की चुप्पी पर सवाल भी उठाए हैं। इस मामले को लेकर गोड्डा के भाजपा सांसद डॉ निशिकांत दुबे सहित पूर्व मुख्यमंत्री व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने अपने एक्स पर लिखकर कई अहम सवाल उठाए हैं। इसके पूर्व मुहर्रम जुलूस के दौरान भी राज्य के कई हिस्सों में बवाल हुआ। दुमका में कुछ युवकों ने फिलिस्तीन का झंडा लहराया तो बगोदर और बड़कागांव में पथराव हुआ। हालांकि, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने 17 जुलाई को ही अधिकारियों के साथ हुई बैठक में राज्य में सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त रखने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा था कि 'राज्य में हर हाल में सुरक्षा-व्यवस्था दुरुस्त रहनी चाहिए, विधि-व्यवस्था बनाए रखना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसमें किसी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।' लेकिन, पुलिस प्रशासन की चुस्ती के बावजूद राज्य के कई हिस्सों से हिंसा की खबरें आईं। इन घटनाओं के बाद रांची दौरे पर आये केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी राज्य सरकार को कटघरे में खड़ा किया। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर लैंड व लव जिहाद करने वाले घुसपैठियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया। दरअसल, संथाल परगना क्षेत्र में बांग्लादेशी घुसपैठ के मामले पर झारखंड उच्च न्यायालय भी गंभीर है। झारखंड हाई कोर्ट में दायर एक जनहित याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई हुई। अदालत ने बांग्लादेशी घुसपैठ और घुसपैठियों को निकालने के लिए की गई कार्रवाई को लेकर सीमावर्ती क्षेत्र के छह जिलों के उपायुक्तों को न्यायालय में शपथ-पत्र दाखिल करने का निर्देश दिया था, लेकिन उनकी जगह कनीय अधिकारियों द्वारा शपथ पत्र दाखिल कराने पर न्यायालय ने राज्य सरकार के प्रति नाराजगी जाहिर की। ऐसे में इस मामले में राज्य सरकार के इरादों पर सवाल उठना स्वाभाविक है। इसलिए जो हालात उत्पन्न हो रहे हैं, राज्य सरकार को इसे कड़ाई से रोकने की दिशा में तत्परता दिखानी होगी।

आप अपने विचार अथवा अपनी रचनाएं हमें निम्नलिखित ई–मेल पर भेज सकते हैं–
mithilavarnan@gmail.com, Contact : 9431379234
Join us on /mithilavarnan
Visit us on : www.varnanlive.com
(किसी भी कानूनी विवाद का निबटारा केवल बोकारो कोर्ट में ही होगा।)

कारगिल विजय - बहादुरी की एक बेमिसाल कहानी

– सतीश कुमार झा
कारगिल युद्ध सेनानी

26 जुलाई- विजय दिवस विशेष

26 जुलाई, 1999 को मिली कारगिल विजय भारतीय सैनिकों की बहादुरी, रोमांचकारी, विस्मयकारी, हृदयविदारक तथा बेमिसाल कहानी बयां करती है। 24 वर्षों बाद आज भी जेहन में यह ऐतिहासिक विजय स्मृति तरो-ताजा है। वर्ष भर बर्फ में ढंकी ऊंची पहाड़ियों पर इतने लंबे समय तक लड़े गए विश्व के इस प्रथम युद्ध में वीरों ने बर्फ के गोले खाकर, भूखे प्यासे रहकर, घंटों रेंगते हुए आगे बढ़कर, गोलियों से सीना छलनी होने पर भी दुश्मन से निरंतर लोहा लिया तथा कहीं-कहीं घुसपैठियों को मौत के घाट उतारकर ही प्राण त्यागे। इसमें से अनेक सैनिक अपने माता पिता की एकमात्र संतान थे, कुछ अपनी बहनों का अकेला भाई थे, कुछ की शादी में केवल एक सप्ताह शेष था, कुछ की शादी कुछ दिन पूर्व हुई थी। उसकी दुल्हन के हाथों की मेहंदी भी अभी छूटी नहीं थी। मेरी शादी भी लड़ाई के साल भर पहले ही हुई थी। दुश्मनों से लोहा लेने के क्रम में ही मेरी पहली एनिवर्सरी यहीं मनी। लेकिन, ऐसा भी कोई था, जिसका प्रथम नवजात अपने पिता को देखने के लिए घर के द्वार पर टकटकी लगाए था, किंतु चारों ओर प्रतीक्षा होती रही, स्वप्न धूल-धूसरित हो गए, आशाएं निराशा में बदल गईं, जिनकी प्रतीक्षा थी लौटने की, वह या तो लौटे ही नहीं, अथवा लौटे तो शहीद होकर। कमांडो सुरेंद्र सिंह शेखावत, मेजर मरियप्पन, मेजर कमलेश प्रसाद, मेजर विवेक गुप्ता, मेजर राजेश अधिकारी, नायक हरेंद्र सिंह, मेजर मनोज तलवार जैसे कितने ही अभूतपूर्व साहस का परिचय देने वाले तथा अपने वतन के लिए शहीद हो जाने वाले इन सैनिकों की शौर्य गाथा पूरे विश्व के सैनिकों के लिए सदैव प्रेरणा स्रोत बनी रहेगी।

विश्व के इतिहास में कारगिल युद्ध दुनिया के सबसे ऊंचे क्षेत्रों में लड़ी गई जंग की घटनाओं में शामिल है, जिसमें पाकिस्तान के 600 से ज्यादा सैनिक मारे गए, जबकि 1500 से अधिक घायल हुए थे। भारतीय सेना के 562 जवान शहीद हुए और 1363 घायल हुए थे। दरअसल, पाकिस्तान ने अपनी सोची-समझी रणनीति के अंतर्गत सितंबर 1998 में सीधे सियाचिन पर आक्रमण कर दिया था, जिसमें वह पूरी तरह से असफल रहा था। भारत विरोध और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निंदा के बाद भी पाक सेना ने घुसपैठियों के रूप में नियंत्रण रेखा के समीपवर्ती स्थानों पर कब्जा जमाने का अभियान जारी रखा। 1 मार्च 1999 को अचानक पकिस्तान ने अपनी गतिविधियों को तेज करते हुए इन क्षेत्रों में स्थित भारतीय चौकियों और बंकरों पर अपना अधिकार कर लिया। जम्मू कश्मीर के लद्दाख सेक्टर स्थित कारगिल द्रास क्षेत्र में पाकिस्तानी सेना ने 10 मई 1999 को अचानक ही भीषण बमबारी शुरू कर दी। इसके फलस्वरूप भारतीय आयुध भंडार में आग लग गई और आठ भारतीय सैनिक शहीद हो गए। भारत द्वारा विरोध करने के बाद भी पाक का आक्रमण और अधिक तेज हो गया। विवश होकर 26 मई 1999 को भारत को भी कारगिल में खुला युद्ध शुरू करने की घोषणा करनी पड़ी। पूरे भारत में रेड अलर्ट कर दिया गया। भारतीय सेनाा कारगिल की ओर कूच करने लगी। भारतीय तोपों तथा टैंकों का मुंह कारगिल की ओर मोड़ दिया गया और कारगिल में ऐसा युद्ध शुरू हो गया, जो इतनी ऊंचाइयों पर इतनी भीषण और दुर्गम परिस्थितियों में लड़ा जाने वाला विश्व का प्रथम तथा भीषण युद्ध था। भारत ने पाक को 17 जुलाई तक अपने घुसपैठिए वापस बुलाने की चुनौती देकर अपनी सामरिक कार्यवाही जारी रखी। घुसपैठियों को भारतीय सेना ने जुलाई के अंतिम सप्ताह तक मौत की नींद सुला दी और नियंत्रण रेखा के पार भागने पर विवश कर दिया।

मातृभूमि की रक्षा के प्रति प्रतिबद्धता, अदम्य साहस, रण कौशल और जान हथेली पर रख युद्ध करने वाले बहादुरों के दम पर लगभग दो माह के छद्म युद्ध में ही भारत ने पाक को अपमानजनक पराजय का मुंह देखने के लिए विवश करते हुए अपनी एक 1-1 इंच भूमि पुनः प्राप्त कर ली। कारगिल युद्ध के दौरान 26 जुलाई 1999 को भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन विजय' को सफलतापूर्वक अंजाम दिया था। 40 किलोमीटर की मारक क्षमता वाला बोफोर्स तोप इस लड़ाई में गेम चेंजर रहा।

कारगिल- तब और अब

करगिल युद्ध के 23 साल बाद अब लाइन ऑफ कंट्रोल पर भारतीय सेना की तैयारियां काफी बदल चुकी हैं। कारगिल एक ऐसी लड़ाई थी, जिसमें भारत को पता ही नहीं चला कि दुश्मन कब सिर पर आ बैठा, लेकिन आज कहानी बिल्कुल अलग है। अब लाइन ऑफ कंट्रोल पर जगह-जगह पर सेना के कैंप हैं। दूसरी अहम बात यह है कि कारगिल युद्ध दौरान भारतीय सेना को सबसे ज्यादा नुकसान पहाड़ की ऊंची चोटी पर बैठे दुश्मन के हमले से उठाना पड़ा था। ऐसे में अब सेना ने ज्यादातर ऊंची चोटियों तक पहुंचने के लिए रास्ते और सड़क बना ली हैं। टाइगर हिल, तोलोलिंग जैसी ऊंची चोटियों पर सेना ने दर्जनों मजबूत पोस्ट कायम कर ली है। आने वाले समय में अग्निवीर योजना के जरिए यकीनन हमारी सेना और सशक्त होगी।

साओन

मैथिली कविता

बदरा झिहिर झिहिर नित बरसय
हिय मोर भय सँ हहरय ना।।

पुरुबक वात वेग अति भारी
अम्बर विचरय वारिद कारी
रहि रहि घन बिच बिजुरी चमकय
ठनका ठनकय ना।
बदरा झिहिर झिहिर नित बरसय
हिय मोर भय सँ हहरय ना।।

खेत पथार बाट सब डूबल
चासी आस ओस सम तूअल
वागमती कोशी गंडक सब
नंगटे नाचय ना।
बदरा झिहिर झिहिर नित बरसय
हिय मोर भय सँ हहरय ना।।

कारी राति अन्हार भयाओन
एहि असरेसे बरखय साओन
दादुर ताने राग सुनाबय
झींगुर झनकय ना।
बदरा झिहिर झिहिर नित बरसय
हिय मोर भय सँ हहरय ना।।

– शम्भुनाथ –

विकास योजनाओं को मिली नई दिशा

योजनाओं पर मंथन, अधिकारियों को काम में तेजी लाने का निर्देश

संवाददाता

बोकारो : नगर के कैंप टू स्थित न्याय सदन सभागार में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी की अध्यक्षता में हुई। मौके पर धनबाद सांसद ढुल्लू महतो, विधायक बोकारो बिरंची नारायण, विधायक गोमिया लंबोदर महतो, उपायुक्त विजया जाधव, पुलिस अधीक्षक पूज्य प्रकाश, वन प्रमंडल पदाधिकारी रजनीश कुमार, जिला परिषद अध्यक्ष सुनीता देवी, उप विकास आयुक्त गिरिजा शंकर प्रसाद, डीआरडीए निदेशक मेनका, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, अनुमंडल पदाधिकारी चास ओम प्रकाश गुप्ता सहित चंदनकियारी, डुमरी एवं बेरमो के विधायक प्रतिनिधि तथा विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारीगण आदि उपस्थित थे।

पिछली बैठक में समिति द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन की क्रमवार समीक्षा की गई। संबंधित विभागों के वरीय पदाधिकारियों ने निर्देशों के अनुपालन की जानकारी समिति के समक्ष रखी, जिस पर समिति सदस्यों ने संतोष जताया। ज्यादातर निर्देशों का अनुपालन विभागों द्वारा कर लिया गया था। कुछ लंबित कार्यों को पूरा करने का समिति ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया। पिछली बैठक में कुल 82 मामलों के अनुपालन की क्रमवार समिति को जानकारी दी गई।

खपत से अधिक के बिजली बिल का मुद्दा छाया

दिशा के अध्यक्ष सह सांसद ने विद्युत प्रमंडल चास एवं तेनुघाट में उपभोक्ताओं को खपते से अधिक बिजली विपत्र देने, नियमित विपत्र जारी नहीं करने, भुगतान नहीं करने पर कनेक्शन काटने एवं उनके विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करने की लगातार शिकायत प्राप्त होने की बात कही। उन्होंने इसमें सुधार का निर्देश दिया। मौके पर कार्यपालक अभियंता विद्युत प्रमंडलद्वय को जनता दरबार का आयोजन नियमित करने एवं ऐसे मामलों की सुनवाई करने का निर्देश दिया। साथ ही, खराब एवं जर्जर पोल, विद्युत तार को दुरूस्त करने को कहा। डीसी ने भी इस दिशा में अपनी ओर से निर्देश दिया।

पेयजल समस्या दूर करने का दिया निर्देश

बैठक में आमजनों को पेयजल सुविधा उपलब्ध कराने को लेकर संचालित योजनाओं, उसकी प्रगति एवं वर्तमान स्थिति की जानकारी ली। इस क्रम में खराब पड़े चापाकलों को दुरूस्त नहीं करने को लेकर विधायक बोकारो बिरंची नारायण एवं अन्य प्रतिनिधियों ने बात रखी। उपायुक्त ने कहा कि चापाकलों की मरम्मत को लेकर राशि की कोई कमी नहीं है। 15 वें वित्त आयोग के तहत उपलब्ध राशि का इस्तेमाल पंचायत स्तर पर खराब पड़ें चापाकलों को दुरूस्त करने के लिए किया जा सकता है। उन्होंने सभी मुखियाओं से उनके क्षेत्र अंतर्गत खराब पड़े चापाकलों की सूची तैयार कर ग्रामसभा के माध्यम से उसे पारित करते हुए गैंगमैन के लिए पेयजल एवं स्वच्छता विभाग से जिला पंचायती राज कार्यालय को समन्वय कर खराब चापाकलों को दुरूस्त करने का निर्देश दिया। गोमिया विधायक ने बीज वितरण एवं उसके लाभुकों की सूची उपलब्ध कराने का जिला सहकारिता पदाधिकारी को निर्देश दिया।

निशाने पर बीएसएल प्रबंधन, मनमानी का आरोप

बैठक में बोकारो स्टील प्रबंधन (बीएसएल) निशाने पर रहा। ठेका श्रमिकों को डायबिटीज एवं बीपी की बीमारी के बहाने कथित तौर पर काम से हटाने को लेकर दिशा के अध्यक्ष सह- सांसद श्री चौधरी ने नाराजगी जताई। उन्होंने श्रमिकों का इलाज बीजीएच में सुनिश्चित करने को कहा। वहीं, उपायुक्त ने कहा कि इस मुद्दे पर पिछले दिनों कंपनी प्रबंधन के साथ बैठक हुई थी, जिसमें जरूरी निर्देश दिया गया था। वहीं, बीएसएल प्रबंधन द्वारा नियमों का अनुपालन किए बिना अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाने, दंडाधिकारी अथवा सिविल प्रशासन को बिना किसी लूप में लिए प्रबंधन की लगातार कथित मनमर्जी पर भी नाराजगी जताई। उन्होंने विधि-व्यवस्था का कोई मामला नहीं हो, इसको लेकर जिला प्रशासन को पहल करने को कहा।

एयरपोर्ट, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स सहित अन्य मुद्दों पर भी चर्चा

बैठक में विधायक बोकारो ने बोकारो एयरपोर्ट के शुरू करने, मेडिकल कालेज के निर्माण, स्पोर्ट्स कंपलैक्स का निर्माण, विद्युत आपूर्ति नियमित करने, ग्रामीण एवं शहरी पेयजलापूर्ति योजनाओं में गति, ईएसआई अस्पताल निर्माण आदि को लेकर अपनी बात रखी। बेरमो विधायक प्रतिनिधि ने जरीडीह पंचायत भवन निर्माण, फुसरो जलापूर्ति योजना, स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर करने आदि को लेकर अपनी बात रखी। बैठक में जिले के पब्लिक सेक्टर यूनिटों (पीएसयू) जैसे डीवीसी, बीएसएल, सीसीएल आदि द्वारा सीएसआर के तहत किए जाने वाले कार्यों पर चर्चा की गई। सभी प्रतिनिधियों ने कंपनियों को सीएसआर की बैठक करने एवं पूर्व में उनके द्वारा अनुशंसित कार्यों की प्रगति का प्रतिवेदन समर्पित करने को कहा। बैठक का संचालन जिला नजारत उप समाहर्ता श्रीमती वंदना शेजवलकर ने किया।

परेशानी कटौती और शट-डाउन का न कोई समय, न समय-सीमा

इस्पातनगरी की बिजली बदहाल, लोग बेहाल

संवाददाता

बोकारो : बोकारो इस्पातनगरी की बिजली व्यवस्था एक बार फिर इन दिनों बदहाल हो चुकी है। उमस भरी गर्मी के बीच शहर में विगत लगभग एक पखवाड़े से लगातार भारी बिजली कटौती की जा रही है।

इसके कारण आमलोगों के साथ-साथ विभिन्न सरकारी-गैरसरकारी कार्यालयों का कामकाज बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। बिजली कटौती का न तो कोई समय है और न ही इसकी कोई समय-सीमा। दिन, रात, सुबह-शाम, दोपहर कब किस समय बिजली गुल हो जाय और कब तक आएगी, कहना मुश्किल है। लिहाजा, लोग बदहाल हैं। व्यवसायी, कार्यालयकर्मी से लेकर विद्यार्थी तक परेशान हैं। व्यवसायियों को जहां जेनरेटर का सहारा लेना पड़ रहा है, वहीं विद्यार्थियों की पढ़ाई-लिखाई प्रभावित हो रही है। कई दफ्तरों में एक दिन में हजारों रुपए के डीजल जल जा रहे हैं। सड़कों पर लगी स्ट्रीट लाइट भी बिजली कटौती के दौरान नहीं जल रही हैं, जिससे रात को राहगीरों को काफी दिक्कतें हो रही हैं।

जेनरेटरों की खराबी बनी आफत, ठीक होने में अभी देर

बीएसएल के अधिकारिक सूत्रों का कहना है कि बीपीएससीएल के 2 जेनरेटर के ब्रेकडाउन होने की वजह से बिजली की यह समस्या हो रही है। इन दोनों जेनरेटर के ठीक होने में फिलहाल एक हफ्ते का समय और लग सकता है। अधिकारी व कर्मी मरम्मत में लगे हुए हैं। यानी इस पूरे महीने शहरवासियों को यह बिजली संकट झेलना पड़ेगा।

जितनी जरूरत, उससे आधी मिल रही बिजली

विदित हो कि बीपीएससीएल और डीवीसी दोनों की बिजली से बोकारो स्टील प्लांट का संचालन होता है। प्लांट चलाने के लिए 280 मेगावाट बिजली की जरूरत होती है, उतनी बिजली वहां दी जा रही है। उसके बाद जो बिजली बच रही है, उसी में से शहर के विभिन्न हिस्सों में बारी-बारी से बिजली की आपूर्ति की जा रही है। बीपीएससीएल में 120 मेगावाट बिजली का उत्पादन होता है। जबकि 2 जेनरेटर के ब्रेक डाउन होने की वजह से उसमें मात्र 80 मेगावाट बिजली का उत्पादन हो रहा है। वहीं डीवीसी से 220 मेगावाट बिजली आती है। टाउनशिप में 60 मेगावाट बिजली की खपत होती है, लेकिन बीपीएससीएल से कम उत्पादन होने पर 30 मेगावाट यानी आधी बिजली पर शहर आश्रित है।

सुधरेगी बियाडा की हालत

उद्यमियों के आपसी समन्वय से दूर होंगी समस्याएं

संवाददाता

बोकारो : बोकारो औद्योगिक क्षेत्र के रुग्ण पड़ते उद्योगों की स्थिति सुधरने के आसार दिख रहे हैं। बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) और बियाडा के उद्यमी आपसी समन्वय से इसमें सुधार करेंगे। अधिशासी निदेशक (परियोजनाएं एवं अतिरिक्त प्रभार सामग्री प्रबंधन) सी आर महापात्रा की अध्यक्षता में बोकारो औद्योगिक क्षेत्र (बियाडा) के उद्यमियों के साथ एक बैठक आयोजित की गई।

बैठक में मुख्य महाप्रबंधक (अनुरक्षण) पी के बैसाखिया, मुख्य महाप्रबंधक (मैकेनिकल) वी के सिंह, मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) हरि मोहन झा, मुख्य महाप्रबंधक (सामग्री प्रबंधन) हर्ष निगम, मुख्य महाप्रबंधक (सामग्री प्रबंधन) सी आर मिश्रा, महाप्रबंधक (सामग्री प्रबंधन) भूपेन्द्र सिंह, उप महाप्रबंधक (सामग्री प्रबंधन) आई एच अंसारी तथा अन्य वरीय अधिकारियों सहित बियाडा के तीस से अधिक उद्यमी शामिल थे।

बैठक में कहा गया कि बोकारो स्टील प्लांट बियाडा तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) के सर्वांगीण विकास के लिए प्रयासरत है। बैठक में चर्चा के दौरान बियाडा के उद्यमियों ने अपने विभिन्न मुद्दे बीएसएल प्रबंधन के समक्ष रखी।

बीएसएल की ओर से बियाडा उद्यमियों की समस्याओं के निदान के बारे में विचार-विमर्श किया गया। साथ ही, बियाडा उद्यमियों के द्वारा आपूर्ति की गई सामग्रियों तथा सेवाओं में बेहतरी लाने पर भी चर्चा की गई। दोनों पक्षों ने बैठक के दौरान परस्पर समन्वय द्वारा सभी पहलुओं के सकारात्मक निदान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

ज्ञानार्जन व विकास गतिविधियों को बनाएं प्रभावी : निदेशक प्रभारी

मंथन... बीएसएल में ट्रेनिंग एडवाइजरी कमेटी की बैठक का आयोजन

संवाददाता
बोकारो : बीएसएल के निदेशक प्रभारी बीके तिवारी की अध्यक्षता में ट्रेनिंग एडवाइजरी कमेटी (टीएसी) की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में बोकारो स्टील प्लांट के अधिशासी निदेशक, मुख्य महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष तथा मानव संसाधन (ज्ञानार्जन एवं विकास) विभाग के अधिकारी शामिल हुए। बैठक में पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान मानव संसाधन (ज्ञानार्जन एवं विकास) विभाग द्वारा सम्पन्न विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा अन्य महत्वपूर्ण उपलब्धियों के बारे वरीय प्रबंधक मानव संसाधन (ज्ञानार्जन एवं विकास) प्रीति कुमारी ने एक प्रस्तुतिकरण द्वारा जानकारी दी। इसके अलावा चालू वित्तीय वर्ष की ज्ञानार्जन एवं विकास संबंधित योजनाओं और प्राथमिकताओं से भी वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया। मुख्य महाप्रबंधक (एमटीआई, रांची) संजय धर ने फ्यूचर रेडी सेल - फ्यूचर रेडी एचआर पर चर्चा की।

निदेशक प्रभारी ने सभी पहलुओं की समीक्षा करते हुए ज्ञानार्जन एवं विकास गतिविधियों को संगठन की आवश्यकताओं के अनुरूप और प्रभावी बनाने पर बल दिया, साथ ही सेल्फ लर्निंग एवं इम्प्रूवमेंट, गैप एनालिसिस, नॉलेज बैंक सहित अन्य बिंदुओं पर चर्चा की। अधिशासी निदेशकों ने भी बैठक में प्रशिक्षण कार्यक्रमों से संबंधित अपने विचार रखे। बैठक के आरम्भ में मुख्य महाप्रबंधक मानव संसाधन (ज्ञानार्जन एवं विकास) मनीष जलोटा ने सभी का स्वागत किया। निदेशक प्रभारी ने बीएसएल को हाल ही में प्राप्त विभिन्न पुरस्कारों के लिए सम्बंधित विभागों और टीम के सदस्यों को बधाई दी। इनमें प्रमुख तौर पर नेशनल अवार्ड फॉर मैन्युफैक्चरिंग कम्पेटिटिवेनेस्स 2023-24, ग्रीनटेक ईएचएस लीडरशिप अवार्ड तथा समृद्धि मैनेजमेंट एंड बिजनेस क्विज अवार्ड शामिल थे। अंत में महाप्रबंधक मानव संसाधन (ज्ञानार्जन एवं विकास) नीता बा ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

नेताजी निकले ठग... 16 हजार महिलाओं से 15 करोड़ ठगकर लड़ा चुनाव

संवाददाता
बोकारो : नौकरी दिलाने के नाम पर बोकारो में भीषण ठगी का मामला सामने आया है। 16 हजार महिलाओं से नौकरी दिलाने के नाम पर 15 करोड़ रुपए की ठगी का आरोप है। ठगी का शिकार हुईं महिलाओं ने डीसी कार्यालय के समीप सड़क को चारों ओर से जाम कर दिया। पुलिस को काफी देर तक महिलाओं को समझाना पड़ा कि आरोपी को जल्द ही हिरासत में लिया जाएगा। इसके बाद वे हटीं। महिलाओं ने उपायुक्त को दिए ज्ञापन में लिखा है कि उनलोगों से ठाकुर ने सभी महिलाओं से 15 करोड़ रुपए की ठगी की है। आरोपी सुभाष ठाकुर फिलहाल सोलागीडीह स्थित एमडी हाइट नामक अपार्टमेंट में फ्लैट खरीदकर वहीं रह रहा है। उनलोगों ने यह भी बताया कि जब स्कूटी के बारे में उससे पूछताछ की गई थी तो उसने महिलाओं से कहा कि 15-15 हजार रुपए लेकर 70 महिलाओं को जोड़ने पर गाड़ी का अनापत्ति प्रमाण पत्र दिया

जाएगा। विदित हो कि ठगी के पैसे से सुभाष ने गिरिडीह लोकसभा का चुनाव लड़ा। पूछने पर उसका कहना है कि समय खराब है। फिनाइल का काम चल रहा था। स्टाफ का पैर टूट गया। सुधार हो रहा है। धीरे-धीरे सबके पैसे वह लौटा देगा। इधर, पुलिस उसके विरुद्ध वारंट तैयार कर उसे दबोचने की तैयारी में लगी है।

शिक्षा एमबीए थर्ड सेमेस्टर की शिवांगी का अमेरिकन कंपनी में हुआ चयन

बेहतर प्लेसमेंट से भविष्य संवार रहा जीजीईएसटीसी : डॉ. जरुहार

संवाददाता
बोकारो :गुरु गोबिंद सिंह एजुकेशनल सोसायटीज टेक्निकल कैम्पस, इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट कॉलेज, बोकारो की एमबीए तीसरे सेमस्टर की छात्रा शिवांगी सिंह का कैंपस सेलेक्शन एक अमेरिकन कंपनी इन्फोसेक मार्केट इन्साईट्स एलएलसी द्वारा किया गया है। वह प्रोजेक्ट मैनेजर के पद के लिये चयनित की गयी हैं तथा उनकी पोस्टिंग चेन्नई की हुई है।

कालेज के निदेशक डा. प्रियदर्शी जरुहार ने शिवांगी को बधाई देते हुए बताया कि कालेज अनवरत बेहतरीन प्लेसमेंट के माध्यम से युवाओं का भविष्य संवार रहा है। उच्च तकनीकी शिक्षा के अलावा अपने छात्रों को उत्तम प्लेसमेंट के अवसर मुहैया कराने को कटिबद्ध है। निदेशक ने कालेज प्लेसमेंट अधिकारी प्रो. सलीम अहमद और एमबीए विभाग प्रमुख प्रो. विकास जैन के योगदान को सराहा। संस्थान के अध्यक्ष तरसेम सिंह व सचिव सुरेंद्र पाल सिंह ने शिवांगी सिंह को बधाई देते हुए उसके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

इधर, सहायक प्राध्यापिका सुषमा को पीएचडी में मिला दाखिला

जीजीईएस इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट कॉलेज बोकारो की सहायक प्राध्यापिका सुषमा कुमारी का आईआईटी धनबाद में अंशकालीन पीएचडी में नामांकन हुआ है। वह कॉलेज के इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग में कार्यरत हैं। निदेशक डॉ. प्रियदर्शी जरुहार ने उन्हें बधाई देते हुए बताया कि कॉलेज व्यावसायिक शिक्षा, उद्यम विकास, प्लेसमेंट तथा रिसर्च कार्य के लिए अपने छात्रों के अलावा शिक्षकों को भी प्रोत्साहित करता है। रिसर्च के विकास के लिए डॉ. आकाश आर्य के नेतृत्व में रिसर्च एडवाइजरी सेल कार्यरत है। इसका कार्य संस्था में रिसर्च का संवर्धन करना है। प्रो. सुषमा की सफलता पर संस्थान अध्यक्ष तरसेम सिंह व सचिव सुरेन्द्र पाल सिंह ने भी बधाई दी।

हफ्ते की हलचल

मनोज अध्यक्ष तो राजकुमार बने चेंबर के महामंत्री

चास : चास स्थित चेंबर भवन में निर्वाचन पदाधिकारी प्रो. आरडी उपाध्याय ने उप चुनाव पदाधिकारी अंजनी कुमार रूपक के साथ संयुक्त रूप से चेंबर के सत्र 2024-26 के लिए निर्विरोध चुने गए कार्यकारिणी समिति के सदस्यों की घोषणा की। चास क्षेत्र से संजय बैद, सुभाष जैन, सिद्धार्थ जैन, रवि शंकर प्रसाद, शैलेंद्र जायसवाल, अनूप भालोटिया, राजेश पोद्दार, विनय सिंह, मुकेश अग्रवाल सहित 10 सदस्यों, बोकारो क्षेत्र से प्रकाश कोठारी, महेश गुप्ता, कुमार अमरदीप, विपिन अग्रवाल सहित पांच सदस्यों, बालीडीह क्षेत्र से प्रदीप सिंह, अजय केडिया, सिद्धार्थ पारख व बेरमो अनुमंडल क्षेत्र से कृष्ण कुमार चांडक, प्रेम राज गोयल, नरेंद्र सिंह के नाम की घोषणा की। चुनाव पदाधिकारी उपाध्याय व रूपक ने संयुक्त रूप से नई कार्यकारिणी को बधाई देते हुए उनसे चेंबर हित में कार्य करने की अपेक्षा की। तत्पश्चात नवनिर्वाचित सदस्यों ने बैठक कर सर्वसम्मति से मनोज चौधरी को अध्यक्ष व राजकुमार जायसवाल को महामंत्री मनोनीत किया। कमेटी का विस्तार बुधवार की बैठक में किया जाएगा। नव निर्वाचित चेंबर अध्यक्ष मनोज चौधरी ने कहा कि व्यापारी एवं व्यापार हित में कार्य किया जाएगा। व्यापार में आ रही बाधाओं को दूर किया जाएगा।

डीपीएस बोकारो की प्राइमरी इकाई में छात्र परिषद गठित

बोकारो : विद्यार्थियों में बचपन से ही नेतृत्व-कौशल का विकास करने के उद्देश्य से डीपीएस बोकारो की प्राइमरी इकाई में अलंकरण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र परिषद के नवचयनित पदधारियों को शपथ दिलाई गई तथा उन्हें सैश व बैज पहनाकर अलंकृत किया गया। छात्र परिषद में पांचवीं कक्षा के विद्यार्थी अनिकेत सिंह और प्रत्यूष कुमार ने हेड बॉय, तो छात्रा अन्विता नंदन एवं भाव्या हजारी ने हेड गर्ल पद की शपथ ली। कक्षा- 4 की छात्रा अलीना हसन वाइस हेड गर्ल, तो रेयांश सिंह वाइस हेड बॉय बनाए गए। इसी प्रकार, कक्षा-5 के विद्यार्थियों में आराध्या सांस्कृतिक सचिव, आन्या प्रियदर्शनी साहित्यिक सचिव तथा विराज हांसदा खेल सचिव बनाए गए। इसके अलावा, सभी सदनों के लिए कैप्टन, वाइस कैप्टन और पांच प्रिफेक्ट का भी चयन किया गया। मार्चपास्ट कर पहुंचे परिषद के सदस्यों को प्राचार्य डॉ. ए एस गंगवार ने सैश और बैज प्रदान कर उन्हें विद्यालय की तरफ से जिम्मेदारी सौंपी।

नहीं रहे प्रख्यात संगीतज्ञ राकेश सिंह, शोक की लहर

बोकारो : जाने-माने तबला व ढोलक वादक एवं श्री अय्यप्पा पब्लिक स्कूल के संगीत शिक्षक राकेश कुमार सिंह अब इस दुनिया में नहीं रहे। कुछ दिनों से मुंबई में इलाजरत संगीतज्ञ राकेश सिंह का निधन मुंबई में हो गया। उनके निधन की सूचना आते ही संगीत जगत में शोक की लहर दौड़ गयी। संगीत व शिक्षा जगत से जुड़े लोगों ने उनके असामयिक निधन पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। स्व. सिंह लंबे समय से बीमार चल रहे थे। बीच में इलाज के दौरान ठीक होकर उन्होंने संगीत जगत में फिर दमदार इंट्री की थी, लेकिन किस्मत को यह मंजूर नहीं थी। उनके निधन पर वरिष्ठ संगीतज्ञ जगदीश बाबला, पं बच्चनजी महाराज, डॉ राकेश रंजन, शिवेन चक्रवर्ती, बलराम मजूमदार, अमरजी सिन्हा, संजीव मजुमदार, प्रसेनजीत शर्मा, अरुण पाठक, रमण चौधरी, श्याम बाबला, अशोक बाबला, अरुण कुमार, राजेन्द्र, मनोज कुमार, अरुप रक्षित, निमेष राठौर, श्यामल दास, बबलू, जय कुमार, रंजू सिंह, करिश्मा प्रसाद, सुनीता श्रीवास्तव, सुनीता सिंह, विक्की आनंद पाठक, भास्कर रंजन डे, रुपक कुमार झा, संतोष गोस्वामी, धनंजय चक्रवर्ती, विश्वनाथ गोस्वामी, उमेश झा, अनिल कुमार, हरिमोहन झा, राजेन्द्र कुमार आदि ने शोक जताया है। स्व. सिंह के विद्यालय में भी शोकसभा की गई।

मनाही के बाद भी जीरा चिप्स से की ढ़लाई, होगी जांच

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल स्थित गोविंदपुर डी पंचायत अंतर्गत कॉलोनी सब-स्टेशन में कार्यरत घनश्याम महतो के आवासीय परिसर में पंचायत मद से संवेदक द्वारा नाली को ढ़कने के लिए दर्जनों स्लैब की ढ़लाई का कार्य प्रावधानों का उल्लंघन कर जीरा चिप्स से किया गया है। उक्त स्लैब के निर्माण की जानकारी बेरमो के जेई अजीत कुमार शाह को मिली थी तो उन्होंने गुरुवार को बोकारो थर्मल पहुंचकर मामले की जांच की थी और

संवेदक को निर्देश देते हुए कहा था कि स्लैब की ढ़लाई का कार्य जीरा चिप्स से नहीं करना है। ढ़लाई हाफ इंच के चिप्स से करनी है। इसके बावजूद जेई के लौट जाने पर शुक्रवार को सभी स्लैब की ढ़लाई जीरा चिप्स से कर दी गई। मामले को लेकर शनिवार को जेई से पूछा गया तो उनका कहना था कि उन्होंने इसकी पूरी तरह से मनाही कर दी थी, इसके बावजूद ढ़लाई की गई है तो इसकी जांच की जाएगी। बेरमो बीडीओ मुकेश कुमार ने मामले में कहा कि वे इसकी जांच कर कार्रवाई करेंगे।

भाजपा को 'शहंशाह' बनाने का मंत्र दे गए शाह

सियासत... झारखंड में फूंका चुनावी बिगुल, हेमंत से कहा- लिख लें, बनेगी बीजेपी की ही सरकार

विशेष संवाददाता

रांची : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह झारखंड में आसन्न विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा की तरफ से शंखनाद कर गए। शनिवार को रांची के प्रभात तारा मैदान में उन्होंने भाजपा के लिए राज्य में नया प्रभात आने और विरोधियों को दिन में तारा दिखाने का दावा करते हुए कार्यकर्ताओं को चुनावी मंत्र दे गए। 26 हजार कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि मैं आज बताकर जा रहा हूं कि झारखंड में पूर्ण बहुमत से भाजपा की सरकार बनने जा रही है। हेमंत सोरेन इसे लिखकर रख लें।

इंडी गठबंधन पर निशाना साधते हुए अमित शाह ने आगे कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में देश की जनता ने भाजपा का समर्थन किया। 60 साल के बाद तीसरी बार कोई प्रधानमंत्री चुना गया है। झारखंड की जनता ने 2014 और 2019 के बाद 2024 में भी मोदी के नेतृत्व को स्वीकार किया है। इस चुनाव में हम 9 सीटें जीते हैं। यह बताता है कि आने वाले दिनों में झारखंड में सरकार किसकी बनने वाली है।

'झामुमो-कांग्रेस-राजद की सरकार सबसे भ्रष्ट'

शाह ने झारखंड मुक्ति मोर्चा-कांग्रेस-राजद सरकार को 'देश की सबसे भ्रष्ट' सरकार बताया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि झारखंड सरकार कई घोटालों में उलझी हुई है, जिसमें 1,000 करोड़ रुपये का मनरेगा घोटाला, 1,000 करोड़ रुपये का खनन घोटाला और 300 करोड़ रुपये का भूमि घोटाला शामिल है। गृह मंत्री ने याद दिलाया कि झारखंड में कांग्रेस के एक सांसद के घर से 300 करोड़ रुपये बरामद हुए, जबकि एक मंत्री के निजी सहायक के घर से 30 करोड़ रुपये जब्त किए गए। गृह मंत्री ने कहा, 'लेकिन कांग्रेस उसी मंत्री को टिकट देने की योजना बना रही है, जिसका पीए 30 करोड़ रुपये के साथ हिरासत में लिया गया था और फिलहाल जेल में है।'

'कांग्रेस को लूट-खसोट और घोटाले का अहंकार'

श्री शाह ने कहा कि जिस तरह से देश में तीसरी बार मोदी प्रधानमंत्री बने है, यह एक इतिहास है। देश की जनता ने मोदी को सौगात दी है। चुनाव में जीत के बाद कई लोगों को अहंकार होता है, जैसा झारखंड में हुआ, लेकिन किसी में हारकर भी अहंकार आ गया। संसद में राहुल का अहंकार देखा गया। कोई दो तिहाई बहुमत लाने पर भी इतना अहंकार नहीं हुआ है, जितना हारकर कांग्रेसी खुश और अहंकार में हैं। 2014, 2019 में जितनी सीट भाजपा को अकेले में मिली, उतनी पूरे गठबंधन को नहीं मिली है। आखिर इतना अहंकार क्यों है? कांग्रेस को घपले-घोटाले, लूट-खसोट, तुष्टिकरण का अहंकार है। उन्होंने कहा कि भाजपा हमेशा अपने बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं पर भरोसा करता है।

मोदी सरकार ने झारखंड को दी है अहमियत

श्री शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने हमेशा से ही झारखंड को अहमियत दी है। जब कभी भी किसी योजना की शुरुआत की गई तो झारखंड को चुना है। आयुष्मान योजना हो या मुद्रा, सभी की शुरुआत झारखंड से हुई। देश के पहले प्रधानमंत्री मोदी हैं, जो बिरसा मुंडा के गांव पहुंचे। देश में 14 करोड़ शौचालय मोदी ने दिया, तीन करोड़ लोगों का आवास, गरीबों को मुफ्त अनाज, पांच लाख का इलाज फ्री किया है। पिछले 10 साल में मोदी ने झारखंड और बिहार से नक्सल को खत्म करने का काम किया। कभी नक्सल राज्य के लिए झारखंड की पहचान होती थी।

सुरक्षित व संरक्षित रहेंगे आदिवासी

श्री शाह ने आदिवासी समाज के लोगों को आश्वस्त करते हुए कहा कि आदिवासी समाज की भाषा, संस्कृति और परंपरा बिल्कुल अलग है। यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू होने के बाद भी इनकी सभ्यता, संस्कृति संरक्षित रहेगी। झारखंड में भाजपा की सरकार बनी, तो आदिवासी जमीन बचाने के लिए श्वेत पत्र लाया जाएगा। इसके जरिए उनकी जमीन, जनसंख्या और आरक्षण तीनों को सुरक्षित किया जाएगा।

हेमंत सरकार ने राज्यवासियों का सिर शर्म से झुकाया

अमित शाह ने कहा कि राज्य की हेमंत सरकार ने झारखंड के लोगों को सिर झुकाने पर मजबूर कर दिया है। इससे पहले बाबूलाल की सरकार हो या रघुवर और अर्जुन मुंडा की, सरकार ने आज तक ऐसा काम नहीं किया, जिससे कि राज्यवासियों का सिर झुका हो। इस राज्य में एक हजार करोड़ का अवैध खनन, 300 करोड़ का नौकरी घोटाला, जमीन घोटाला और कितने घोटालों का प्रदेश बना दिया है। झारखंड में घुसपैठ बढ़ने से आदिवासियों की संख्या घट रही है। सत्ता पक्ष के नेता जमीन और नौकरी को लूटने में लगे हैं। झारखंड में भाजपा की सरकार बनेगी तो लूट की जमीन और नौकरी को वापस कराएंगे। हेमंत सोरेन के लिए आदिवासी का मतलब सिर्फ अपने परिवार तक सीमित होता है।

भ्रष्टाचार के कारण झारखंड का नहीं हो पा रहा विकास : अनुराग ठाकुर

संवाददाता

बोकारो : पूर्व केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि झारखंड में भ्रष्टाचार के कारण अपेक्षित विकास नहीं हो पा रहा है। भ्रष्टाचार का यह आलम यह है कि कांग्रेस के एक नेता के घर पर इतने नोट मिले कि गिनते-गिनते मशीन थक गई। मंत्री के ड्राइवर के घर 25 करोड़ रुपए मिले, तो मंत्री के घर कितने रुपए होंगे। उन्होंने कहा भ्रष्टाचार के कारण झारखंड का विकास नहीं हो पा रहा है। श्री ठाकुर बोकारो के सेक्टर-1 में 'बेहतर झारखंड' संस्था की ओर से आयोजित 'युवा संसद' कार्यक्रम में भाग लेने पहुंचे थे। इस दौरान पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने उक्त बातें कहीं। उन्होंने कहा कि विकसित झारखंड के बिना विकसित भारत की कल्पना नहीं की जा सकती है। देश का 40 प्रतिशत मिनरल्स झारखंड में है, लेकिन पूरे देश के शहरी क्षेत्र में 5.4 फीसदी बेरोजगारी है, जबकि झारखंड के शहरी क्षेत्रों में 6.30 प्रतिशत बेरोजगारी है।

श्री ठाकुर ने कहा कि झारखंड में 24 साल में 13 मुख्यमंत्री बने, लेकिन इस साल दो मुख्यमंत्री बने। एक भ्रष्टाचार के आरोप में जेल गए, बाहर निकलते ही फिर मुख्यमंत्री बने गए। उनसे तीन माह का इंतजार बर्दाश्त नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि झारखंड की बिजली से दूसरे राज्य रोशन हो रहे हैं, लेकिन यहां 4 से 6 घंटे बिजली कटौती हो रही है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश में सिर्फ पानी से सरप्लस बिजली उत्पादन हो रहा है, जबकि झारखंड में पानी और कोयला दोनों होने के बावजूद उत्पादन कम हो रहा है। अगर यहां कि सरकार चाह ले, तो झारखंड हर क्षेत्र में आगे बढ़ सकता है।

श्री ठाकुर ने कहा कि माइनर और मेजर मिनरल्स में नरेंद्र मोदी ने झारखंड को ज्यादा अधिकार दिए। इससे राज्य की आय ज्यादा बढ़ी और संसाधनों का लाभ भी मिला, लेकिन उसमें वेल्यू एडिशन करने का काम राज्य सरकार ने नहीं किया। इसके कारण न तो इंडस्ट्री लगी और ना ही रोजगार के अवसर पैदा हुए। उन्होंने कहा कि अब लोगों को यह सोचना होगा कि ऐसी कौन सी मजबूरी है कि यहां उद्योग नहीं आ रहे हैं। कानून व्यवस्था चरमरा गई है, भ्रष्टाचार ज्यादा है या कंपाइल बर्डन इतने ज्यादा हैं कि लोग यहां आना नहीं चाहते। अगर साथ में बने बाकी राज्य आगे बढ़ रहे हैं, तो झारखंड क्यों नहीं बढ़ रहा है। अब जो भी सरकार आए, स्थिर हो, नई सोच के साथ काम करे, ताकि उद्योग लगे और रोजगार के अवसर पैदा हों।

मिथिला मंच ने पाग पहनाकर किया सम्मानित

कार्यक्रम के दौरान पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर को चास-बोकारो जनकल्याण मिथिला मंच की ओर से सम्मानित किया गया। मंच की तरफ से कृष्ण चन्द्र झा, भूषण पाठक, रामबाबू चौधरी व अन्य लोगों ने श्री ठाकुर को मिथिला परंपरा के अनुसार पाग पहनाकर सम्मानित किया। मंच ने चास-बोकारो की वर्तमान स्थिति से पूर्व मंत्री को अवगत कराया।

स्कूलों में बच्चों की अनुपस्थिति चिंतानजक, लाएं सुधार : जिलाधिकारी

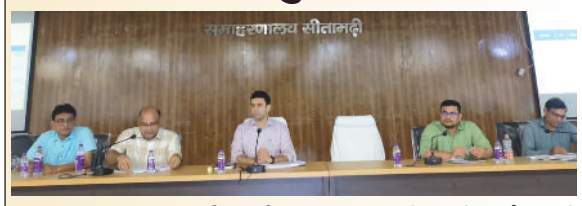

मिथिला डायरी

सीतामढ़ी : जिलाधिकारी रिची पांडेय की अध्यक्षता में हुई शिक्षा विभाग की समीक्षात्मक बैठक में विभाग को कई अहम निर्देश दिए गए। विद्यालयों से संबंधित महत्वपूर्ण संसाधनों की उपलब्धता से संबंधित कार्य, प्राथमिक और सेकेंडरी विद्यालयों में रिपेयरिंग कार्य, न्यू स्कूल बिल्डिंग (एनएसबी) मेजर रिपेयरिंग वर्क, बेंच-डेस्क की उपलब्धता, थाली की उपलब्धता, विद्यालयों में आईसीटी लैब की स्थापना, साफ सफाई हेतु हाउसकीपिंग कार्य, मध्यान भोजन, बच्चों की अनुपस्थिति, औचक निरीक्षण, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा इत्यादि की विस्तृत समीक्षा की गई। डीएम ने उक्त सभी कार्यों को विभागीय निर्देश और गाइडलाइन के आधार पर पूरी पारदर्शिता एवं तय मानकों के अनुरूप ससमय पूर्ण करने का निर्देश दिया। बैठक में डीईओ द्वारा जानकारी दी गई कि विद्यालयों में आधारभूत संरचना के निर्माण की दिशा में प्रभावी कार्य किए जा रहे हैं। पूर्व एवं बाद की स्थिति का डॉक्यूमेंटशन भी किया जा रहा है। डीएम ने निर्देश दिया कि छात्र-छात्राओं के ड्रॉप आउट के कारक तत्वों को सूचीबद्ध करें। साथ ही, विद्यालयवार बच्चों की उपस्थिति की मासिक विवरणी तैयार करना सुनिश्चित करें। विद्यालय से लगातार अनुपस्थित रहने वाले बच्चों की सूची विद्यालयवार तैयार करें। बच्चों की अनुपस्थित से अभिभावकों को अवगत कराते हुए उसके कारणों को भी दर्ज किया जाएं, ताकि इस आधार पर आगे के लिए सुधारात्मक कार्य योजना बनाकर कार्रवाई की जा सके। बैठक में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, व्यावसायिक शिक्षा, रसोइयों का भुगतान, सर्व शिक्षा अभियान, निपुण बिहार, मिड डे मील की व्यवस्था इत्यादि को लेकर भी समीक्षा की गई एवं आवश्यक निर्देश दिए गए। मौके पर जिला शिक्षा पदाधिकारी प्रमोद कुमार साहू, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी कमल सिंह सहित शिक्षा विभाग के सभी डीपीओ, विभाग से संबंधित अभियंता एवं शिक्षा विभाग के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

गुरु पूर्णिमा- गुरु के प्रति समर्पण का महोत्सव

21 जुलाई : गुरु पूर्णिमा पर विशेष

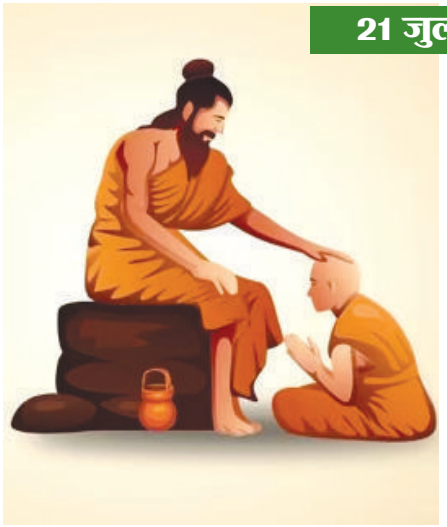

- गुरुदेव श्री नंदकिशोर श्रीमाली-

गुरु और शिष्य का सम्बन्ध तब से चला आ रहा है, जब से सनातन धर्म की स्थापना हुई और सनातन धर्म वेदों का ही विस्तार है। उपनिषद्, मीमांसा, वेदों का विस्तार है, जिज्ञासाओं का समाधान है। वास्तव में उपनिषद् का अर्थ है, पास बैठना और इसका गहरा अर्थ है गुरु के पास बैठकर ज्ञान प्राप्त करना। ज्ञान प्राप्ति में शिष्य के मन में हजारों जिज्ञासाएं उत्पन्न होती हैं और गुरु शांत भाव से उन जिज्ञासाओं का समाधान करते हैं, जिससे शिष्य धर्म के रहस्य को पूर्णतः आत्मसात कर सके। ... और धर्म क्या है?

धर्मो रक्षति रक्षितः

धर्म है, अपने कार्य में उन्नति, अपने परिवार की रक्षा, निरन्तर ज्ञान प्राप्त करना, आयु, आरोग्य, यश, बल और तेज प्राप्त करना और हमारे शास्त्र स्पष्ट कहते है 'वीर भोग्या वसुन्धरा' जो वीर है, वहीं अपने धर्म का पालन कर सकता है। वही विजय प्राप्त करता है।

शिष्य धर्म धीरू नहीं होता, धर्मवीर होता है, जो वीरता के साथ अपने आत्मबल के साथ अपने कार्यों को सम्पन्न करता है।

गुरु और शिष्य का मिलन कैसे? युगों-युगों से प्रत्येक व्यक्ति के मन में यह इच्छा रहती है कि उसे कोई ज्ञानी मिले, उसे कोई मार्गदर्शक मिले, उसे कोई सहयोगी मिले, उसे कोई सहारा मिले, जिससे उसकी आत्मचेतना और ज्ञान जाग्रत हो सके।

एक सुन्दर कथा है, एक युवक के मन में ज्ञान, साधना और ईश्वरीय अनुभूति के सम्बन्ध में जिज्ञासा उत्पन्न हुई। इस हेतु वह गुरु की खोज में निकल पड़ा। उसे इतनी तो जानकारी थी कि ज्ञान गुरु से ही प्राप्त हो सकता है। कई स्थानों पर भटका, एक स्थान पर एक गुरुजी मिले, निवेदन किया, आप साधनाओं के ज्ञाता हैं, मुझे कुछ सूत्र बताइए, जिससे मैं भी अपनी सुप्त शक्तियों के सम्बन्ध में जान सकूं। गुरु ने शांत भाव से कहा- देखों बेटा, इस प्रकार की साधना में दीक्षा आवश्यक है और दीक्षा केवल सद्गुरु ही दे सकते हैं। सद्गुरु ही तुम्हारी कामनाओं को तृप्त कर सकते हैं, मैं तो सद्गुरु की पहचान बता सकता हूं। युवक ने कहा, पहचान ही बता दीजिये।

उन गुरु ने कहा कि तुम्हारे जो सद्गुरु हैं, वे आत्मज्ञानी हैं, तुम उन्हें तलाशते रहो। एक दिन तुम्हें मिल जायेंगे, उन्हें देखते ही तुम उनके प्रेम आकर्षण में बंध जाओगे। उनके नेत्रों में करुणा होगी और चेहरे पर एक विशेष ओज होगा, तुम उन्हें ढूंढ़ते रहो।

युवक चल पड़ा, दिन-मास, वर्ष बीत गये। खोजते-खोजते वापिस उन गुरु के पास ही पहुंचा और एकदम आत्मा से पुकार उठी, यही तुम्हारे गुरु हैं। वह गुरु चरणों में गिर पड़ा, गुरु ने सिर पर हाथ फेरा। उसने देखा कि यह तो वही गुरु हैं, जो मुझे कई वर्ष पहले मिले थे, जिन्होंने मुझे सद्गुरु से मिलने का मार्ग बताया था।

युवक ने कहा, गुरुदेव... गुरुदेव... आपने मुझे इतना क्यों भटकाया, पहले ही क्षण अपनी कृपा क्यों नहीं बरसा दी। गुरु ने शांत स्वर में कहा- प्रिय वत्स, मैं तो वहीं हूं, तुम बदल गये हो। पहले तुम्हारे मन में गुरु को जानने की जिज्ञासा थी। अब तुम्हारे भीतर शिष्यत्व भाव जाग्रत हो गया है। इसलिये तुम मुझे पहचानने में समर्थ हो गये हो। सामान्य व्यक्ति जिज्ञासु होता है और शिष्यत्व भाव जाग्रत होने पर अपने गुरु को स्वयं ही पहचान लेता है और अपने आपको समर्पित कर देता है। तब उसकी सुप्त शक्तियां जाग्रत हो जाती हैं।

शिष्य खोजता है गुरु या गुरु खोजते हैं शिष्य

अब इस कथा में यह है कि जब व्यक्ति के मन में एक तीव्र प्यास उठती है तो वह गुरु को खोज लेता है। क्या हर बार शिष्य ही गुरु को खोजे या गुरु शिष्य को खोजें? गुरु भी शिष्य को खोजते हैं, क्योंकि गुरु का अपने गुरु को दिया हुआ वचन होता है कि ज्ञान की अजस्त्र धारा निरन्तर प्रवाहित होती रहे। धर्म दृढ़ से दृढ़तर होता रहे और धर्म के मार्ग में आने वाली बाधाओं, विपदाओं को नाश करने में शिष्य समर्थ हो सके।

विश्वामित्र के जैसा महान ऋषि हजारों वर्षों में एकाध होते हैं। रामायण में बड़ा ही विशिष्ट प्रसंग है, जब विश्वामित्र अपनी शिष्य मण्डली के साथ राजा दशरथ के यहां आते हैं। सम्पन्न थे विश्वामित्र, उन्हें स्वयं तारा सिद्ध थीं, गायत्री सिद्ध थीं, श्रीविद्या सिद्ध थीं और इन्द्र भी उनके सामने नमन करते थे। जब दशरथ के यहां जाकर विश्वामित्र राम और लक्ष्मण को मांगते हैं, अपने गुरुकुल के लिए तो दशरथ बड़े ही विचलित हो जाते हैं।

मांगहु भूमि धेनु धन कोसा।
सर्बस देउं आजु सहरोसा।।
देह प्रान तें प्रिय कछु नाहीं।
सोउ मुनि देउं निमिष एक माहीं ।।

तब राजा दशरथ परामर्श करते हैं, कुलगुरु वशिष्ठ से। वशिष्ठ स्पष्ट तौर पर कहते हैं कि गुरु विश्वामित्र तुम्हारे पुत्रों को मांग रहे हैं और अपना शिष्य बनाना चाहते हैं तो इसके पीछे गुरु की कोई महान भावना छुपी है और निश्चित रूप से तुम्हारे इक्ष्वाकु वंश का, सूर्यवंश का कुछ विशेष भला होगा, इसलिये अपनी सब मोह, ममता, संदेह छोड़कर राम और लक्ष्मण को गुरु को समर्पित कर दो। वे जैसा चाहें, वैसा करने दो। वे जो आज्ञा दें, उसके अनुसार राम और लक्ष्मण अनुसरण करें, इसमें ही आपके वंश का भला है। धर्म का उत्थान है।

और मैं, बार-बार कहता हूं कि दशरथ चिन्ता मत करो।

हानि-लाभ, जीवन-मरण, यश-अपयश, विधि हाथ

हानि, लाभ, सुख, दुख, यश, अपयश, किसी के हाथ में नहीं है, सब विधि के हाथ में है। यह आपका सौभाग्य है कि विश्वामित्र आपके पुत्रों को शिष्य बनाना चाहते हैं। दोनों प्रसंगों में क्या अन्तर है? पहले प्रसंग में शिष्य गुरु को खोज रहा है और निरन्तर खोजते रहने से उसे गुरु मिल जाते हैं। दूसरे प्रसंग में गुरु शिष्य को खोज रहे हैं और स्वयं अपने साथ ले जा रहे हैं। गुरु शिष्य का हाथ पकड़ रहे हैं।

दोनों बातें ही एकदम समान हैं, आधारभूत सत्य है कि मनुष्य जीवन में गुरु से मिलन हुए बिना गति नहीं है, उन्नति नहीं है, प्रगति नहीं है, आत्मज्ञान नहीं है और धर्म की रक्षा का भाव नहीं है और जब गुरु और शिष्य का मिलन हो जाता है, तब शिष्य में आत्मिक उन्नति, मानसिक उन्नति, ज्ञान उन्नति, ब्रह्म चेतना, बुद्धि विकास, ज्ञान विकास सब अपने आप होने लगता है।

गुरु शिष्य मिलन - क्रांतिकारी घटना

यह है गुरु और शिष्य के मिलन की महानतम् घटना, शिष्य के जीवन में एक क्रांति का सूत्रपात होता है, जब वह गुरु से मिलता है। मिलने के बाद उसके अन्तर्मन में एक हूक उठती है, कहीं यही तो मेरे गुरु नहीं हैं। धीरे-धीरे वह गुरु को परखने लगता है, क्योंकि मनुष्य का सामान्य स्वभाव छिद्रान्वेशी है, खोजबीन करने वाला है। इसलिये शिष्य पहले तो यह भाव लेकर जाता है कि मैं गुरु के पास जाऊंगा, उनसे वरदान मांग लूंगा और उनकी कृपा से मेरी सारी कामनाएं पूर्ण होने लग जायेंगी। यह मनुष्य का, साधक का स्वभाव है, लेकिन जैसे-जैसे वह अपनी श्रद्धा में वृद्धि करता है तो उसमें समर्पण का भाव जाग्रत हो जाता है, प्रेम का भाव जाग्रत हो जाता है और जब वह अपने गुरु का प्रेमी बन जाता है, तब वह गुरु का सखा बन जाता है, मित्र बन जाता है और अपने अन्तर्मन में छाई सारी उलझनों को, सारी व्यथाओं को खोल देता है।

खोलो अपना मन मिलेगा गुरु का रंग

तब उसे अपने मन के घावों पर एक प्रेम का आलेप प्राप्त होता है और उस प्रेम आलेप से, प्रेम वेग से अन्तर्मन की व्यथाएं क्षीण हो जाती हैं और वह गुरु के रंग में रंग जाता है। तब उसे अपने और गुरु में भेद नहीं अनुभव होता है। क्योंकि जब अन्तर्मन में गुरु को स्थापित कर लिया तो वह कहीं भी रहे, कोई भी कार्य करे, गुरु से प्रतिपल जुड़ा ही रहता है। इस जुड़ाव को शिष्य के घर-परिवार, नाते- रिश्तेदार, समाज के लोग समझ ही नहीं सकते हैं।

धीरे-धीरे इस प्रेम में यह भावना आ जाती है कि -

प्रेम गली अति सांकरी, तामें दो न समाहिं

जब मैं था तो गुरु नहीं थे और गुरु हैं तो मैं नहीं हूं। इस 'मैं' अर्थात् अहं का त्याग होते ही स्वतंत्र व्यक्तित्व बन जाता है। उसके भीतर तीव्रतम आत्मिक बल आ जाता है और गुरु शिष्य को संसार के बंधन से मुक्त कर अपने बंधन में ले लेते हैं, अपने साथ एकाकार कर लेते हैं।

भावों का संसार है यह

संसार के सारे सम्बन्ध भाव प्रकटीकरण ही हैं। पति-पत्नी का सम्बन्ध हो, माता-पिता के साथ संतान का सम्बन्ध हो, मित्र का सम्बन्ध हो, शत्रु के साथ शत्रुता का सम्बन्ध हो, सब में भाव प्रकटीकरण अवश्य होता है। भावों का ही आदान-प्रदान चलता है, इसीलिये ईश्वर ने संसार में परिवार बनाया, समाज बनाया, देश बनाया, सम्प्रदाय बनाये। अब गुरु के साथ भावों का प्रकटीकरण कैसे किया जाये? जिसको हरपल याद करते हैं, उनके सामने अपने भावों को क्या प्रकट करें, कैसे प्रकट करें?

गुरु पूर्णिमा - भाव कल्प

इसलिये वेदव्यास जी ने, जो परम ज्ञानी थे, कृष्ण भक्त थे और उन्होंने लिखा कि आषाढ़ीय पूर्णिमा जगत में गुरु पूर्णिमा के रूप में स्थापित होगी और गुरु पूर्णिमा भाव अर्पण का श्रेष्ठ कल्प होगा, जब शिष्य गुरु के समक्ष अपने जितने भी भाव हैं- काम, क्रोध, लोभ, मोह, प्रेम, करुणा, वात्सल्य, दया, दान, धन, माया इत्यादि गुरु चरणों में अर्पित कर दे। और ईश्वर को धन्यवाद दे कि मेरे जीवन में गुरु आयें और स्वयं को भी धन्यवाद दे कि मैंने अपने जीवन में गुरु को पा लिया है। गुरु शिष्य मिलन तो पल-पल हो रहा है। जब तक शिष्य के जीवन में श्वास पर श्वास है, तब तक उस में 'सोऽहम्' गुंजरित हो रहा है। तब तक गुरु और शिष्य मिलन चल रहा है, कभी भी अलग नहीं रहा है। लेकिन प्रत्यक्ष मिलन की महिमा और चर्मक्षुओं से और अपने अश्रुओं से गुरु चरणों का अभिषेक करना जीवन का सौभाग्य होता है और वह दिवस है - गुरु पूर्णिमा।

गुरु हैं शिष्य के जीवन के सूर्य

कई बार शिष्यों को लगता है कि हम गुरु से मिलने जा रहे हैं। वास्तव में संसार में एक ही शक्ति क्रियाशील है। वह है गुरु शक्ति, जिसके आकर्षण में खींचकर शिष्य अपने गुरु से मिलने पहुंच ही जाता है। शिष्य हर समय संशयशील रहता है, लेकिन धीरे-धीरे एक ऐसी स्थिति आती है कि वह अपने सारे द्वंद्व, सशंयों को समाप्त कर देता है और एक पुकार उठती है।

ब्रह्मानन्दं परमसुखदं केवलं ज्ञानमूर्तिं
द्वन्द्वातीतं गगनसदृशं तत्त्वमस्यादिलक्ष्यम्।
एकं नित्यं विमलमचलं सर्वधीसाक्षिभूतं भावातीतं
त्रिगुणरहितं सद्गुरुं तं नमामि।।

गुरुदेव, आपने मेरे द्वंद्व और संशयों का अन्त कर दिया है, अब मैं अपने आपको समर्पित कर रहा हूं। इसलिये गुरु पूर्णिमा समर्पण दिवस है। यही बात जगद्गुरु श्रीकृष्ण संशयग्रस्त अर्जुन को कह रहे हैं।

सर्वधर्मान्परित्यज्य मामेकं शरणं व्रज।
अहं त्वा सर्वपापेभ्यो मोक्षयिष्यामि मा शुचः।

अद्भुत घटना है गुरु और शिष्य के गुरु पूर्णिमा मिलन की, जब शिष्य को इस श्लोक -

ॐ पूर्णमदः पूर्णमिदं पूर्णात्पूर्णमुदच्यते।
पूर्णस्य पूर्णमादाय पूर्णमेवाव शिष्यते।।
ॐ शांतिः शांतिः शांतिः ।।

का भाव आ जाता है कि अब मेरे जीवन की पूर्णता गुरु मिलन से हो गई है। मैं इस जगत में किसी भी दृष्टि से अपूर्ण नहीं हूं। मैं अपने भौतिक जीवन में जो कुछ अपूर्णताएं हैं, उन्हें समाप्त करने में समर्थ हूं। यह शक्ति भाव उसे गुरु से ही प्राप्त होता है और जब यह गुरु भाव आ जाता है, तब वह अपने स्वधर्म का पालन करते हुए अपने जीवन में परमानन्द को नित्य प्रति प्राप्त करता है, उसे अपने हृदय में स्थापित ब्रह्म का साक्षात्कार होता है, परमानन्द की अनुभूति होती है।

बहुत महत्वपूर्ण बात है कि गुरु पूर्णिमा के दूसरे दिन से ही श्रावण मास प्रारम्भ होता है। इसका सीधा अर्थ है, जब गुरु जीवन में आते हैं, उसके बाद ही उसके जीवन में शिव और शक्ति का मिलन होता है, शिवत्व का आनन्द आता है, जीवन में रस का भाव बढ़ता है, क्रिया का भाव आता है और 'श्री' उसके जीवन में स्थापित होती हैं। जीवन में परम लक्ष्य है 'श्री' की प्राप्ति, इसीलिये भगवान को श्रीमन्नारायण कहा गया है। कृष्ण को श्रीकृष्ण कहा गया है। राम को श्रीराम कहा है। यह श्री विद्या, श्री का भाव गुरु शिष्य मिलन से ही शुभारम्भ होता है।

(साभार : निखिल मंत्र विज्ञान)

आर या पार : संकट में सरकार ?

ज्योतिषीय विश्लेषण

- बी. कृष्णा नारायण -

भारतीय राजनीति में, लोकतांत्रिक चुनावी प्रक्रिया में तीसरी बार लगातार जनता के मत से प्रधानमंत्री बनना निश्चित ही बड़ी उपलब्धि है। हालांकि, लोकसभा चुनाव 2024 के चुनावी परिणाम ने सबको चौंकाया। देश को एक मजबूत प्रतिपक्ष मिला। एक मजबूत प्रतिपक्ष का होना लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए शुभ संकेत माना जाता है, परंतु जमीन पर ऐसा होता हुआ नहीं दिखाई नहीं दे रहा है। सरकार बने हुए अभी दो महीने भी नहीं हुए है और ये अभी से देश में अराजक स्थिति बनाये जाने की मंशा वाली बात करने लगे हैं। ईको सिस्टम की बात करने लगे हैं। संसद में आक्रामक बयान दे रहे हैं। लोकतंत्र में मजबूत प्रतिपक्ष का होना अच्छी बात है, पर यहां तो प्रतिपक्ष देश को भ्रमित कर गलत दिशा में लेकर जाने को तैयार है। यह कैसा प्रतिपक्ष?

मोदी जी को प्रधानमंत्री पद का शपथ लिए दो महीने भी नहीं बीते हैं और पांच आतंकी हमले हो चुके हैं। रियासी हमले में दस तीर्थ यात्रियों की मौत, पुंछ में हमला, बारामुला में आतंकी ढेर किये गए। कठुआ में सेना के वाहन पर ग्रेनेड और अत्याधुनिक हथियारों से हमला हुआ। कठुआ में हुए हमले और अंधाधुंध फायरिंग ने हमें पुलवामा की याद दिलाई।

बजट सत्र 22 जुलाई से है। इसमें प्रतिपक्ष का हंगामा तो तय है। इस अराजकता का अंत होगा? प्रतिपक्ष को करारा जवाब मिल पायेगा?

दूसरी तरफ यदि देश के बाहर की स्थिति पर नजर डालें तो वर्ल्ड आर्डर में भारी उलट फेर हो रहा है। नया वर्ल्ड बन रहा है। इस नए बनते वर्ल्ड आर्डर में बिना युद्ध में उलझे, बिना अपनी आर्थिक पहिये पर ब्रेक लगाए, भारत अपनी मजबूत स्थिति दर्ज करा पायेगा? अमेरिका, चीन जो भारत को सिर्फ एक बड़े बाजार के रूप में देखता रहा है, उसके इस मंसूबे पर पानी फेरने में सफल हो पायेगा?

इन्हीं तमाम बातों के बीच राहु ने अपना नक्षत्र परिवर्तन किया है। रेवती से उत्तर भाद्रपद में अनुगामी होकर आया है। राहु जहां गुरु की राशि में है, वहीं शनि गुरु के नक्षत्र में है। राहु शनि के नक्षत्र में है। राहु, शनि, गुरु के

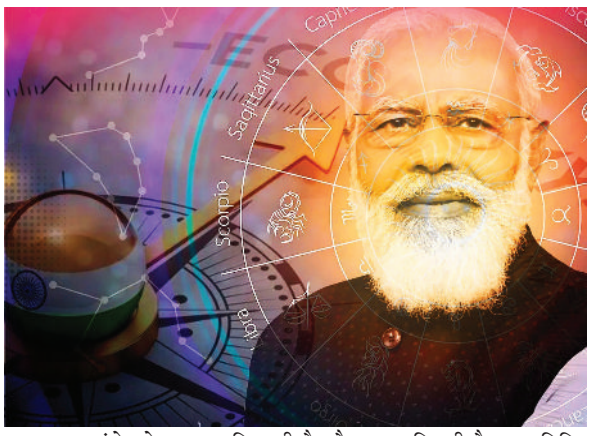

इस अद्भुत संयोग के समय शनि वक्री है और गुरु अतिचारी है। वराहमिहिर के अनुसार यह अकेला योग विश्व में हाहाकार मचा देने का समर्थ रखता है, बशर्ते कि इसे देश और काल का समर्थन प्राप्त हो जाये। मंगल भी वृषभ राशि, जो भारतवर्ष की लग्न राशि है, में आकर गुरु के साथ युत हुआ है। अमेरिका में बढ़ते राजनीतिक उथल-पुथल, जिसका संकेत ग्रहों ने अप्रैल माह में ही दे दिया था, के बीच, देश के भीतर और बाहर तेजी से बदलते समीकरणों के बीच ग्रहों की यह गति क्या संकेत दे रहे हैं? देश के भीतर और देश के बाहर सरकार की स्थिति कैसी रहने वाली है?

इन सभी बातों का आकलन करते हैं देश की कुंडली में बनने वाले योग, चलने वाली दशा और गोचर के ग्रहों के संकेत के साथ-

वर्तमान में भारत की चलने वाली दशा है- चंद्र/ शुक्र/ शनि की, जो कि नवंबर 2024 तक चलेगा। देश की लग्न कुंडली, नवांश कुंडली और दशमांश कुंडली के अध्ययन के आधार पर जो संकेत मिल रहा है, वह है देश के उत्तरी और उत्तर पूर्व भाग में आतंकी गतिविधियों में तेजी, षड्यंत्र। देश में भीतर ही भीतर गहरे षड्यंत्र के बीज बोए जा रहे हैं। गृह युद्ध की स्थिति बनाई जा रही है। पक्ष कुंडली के संकेत को भी यदि देखें तो 19 अगस्त के पहले पहले आक्रामक, हिंसक गतिविधयां और सरकार को कमजोर करने की कवायद थमती हुई नहीं दिखाई दे रही है।

अमरनाथ यात्रा आरम्भ हो चुकी है। यह 19 अगस्त को समाप्त होगी। ऐसे में 4 अगस्त से शुरू होने वाले पक्ष में नवम भाव का मंगल और शनि के प्रभाव में जाना और नवमेश का अष्टम भाव में जाना धार्मिक उन्माद के साथ-साथ दुर्घटना की स्थिति भी बना रहे हैं। अमरनाथ तीर्थ यात्रियों के लिए वैसे तो सरकार द्वारा उत्तम सुरक्षा प्रबंध किये जाते हैं, परन्तु फिर भी अधिक चौकस रहने की आवश्यकता है।

दूसरी तरफ, कुछ धर्म स्थल पर अत्यधिक बारिश और बादल फटने का भी संकेत है। यह समय केंद्र सरकार के लिए संकट काल होगा। दशा के द्वारा इस तरह के वातावरण के निर्माण के समय भारतवर्ष की कुंडली के लग्न भाव, वृषभ राशि में मंगल और गुरु का गोचर करना इस तरह की गतिविधियों को और हवा दे रहे हैं।

कुंभ राशि में वक्री शनि होना सरकार के लिए आलोचनात्मक स्थिति बना रहा है। राहु का शनि के नक्षत्र में होकर मीन राशि में होना और शनि का कुंभ राशि में होना, अर्थात देश की जन्म कुंडली के एकादश और दशम भाव का सम्बन्ध बनना संविधान को लेकर झूठी बातों का और भ्रमात्मक बातों का फैलाया जाना और सरकार को उस लपेटे में लेने की कोशिश में तेजी आएगी।

वर्ष के अंत में चंद्र में सूर्य अर्थात दशा छिद्र की शुरूआत होगी। घर के भीतर ही एक पूरा मोर्चा गृह युद्ध जैसी परिस्थितियों का जोर शोर से निर्माण करेगा। अगले ही वर्ष देश की दशा चंद्र से बदलकर मंगल की हो जाएगी। द्वितीय भाव में बैठे मंगल पर छठे भाव से गुरु की दृष्टि कुछ महत्वपूर्ण संकेत दे रहे हैं और वह है-

देश के भीतर एक तरह से Political Assassination का समय होगा, द्वादशेश मंगल की दशा में सरकार को अस्थिर करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय ताकतें भी सक्रिय रहेंगी, इसका संकेत भी दे रही हैं। बावजूद इसके वैश्विक फलक पर भारत की स्थिति मजबूत होगी। भारत विश्व को अपनी बात अपनी शर्तों पर मनवाने में सफल रहेगा।

दशमांश में मंगल का छठे भाव में केतु के साथ होना सीमा पर हिंसक गतिविधियों में तेजी की स्थिति है। सरकार इन स्थितियों से निपटने में कामयाब होगी, परन्तु कुछ dent के साथ।

Corporate war राष्ट्र रक्षक के बीच असंतोष का बढ़ना, वित्तीय व्यवस्था में भारी बदलाव और देश के हित के लिए कई महत्वपूर्ण संवैधानिक बदलाव किये जायेंगे। दूरसंचार और मीडिया का शक्ल जो अभी दिख रहा है, वह पूरी तरह से बदलने वाला है।

(लेखिका वरिष्ठ ज्योतिषी, योग और अध्यात्मिक चिंतक हैं और ये इनके निजी विचार हैं।)

भोजपुरी फिल्म 'दीदी के सिंदूरवा' की शूटिंग पूरी

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर डेढ़ माह बाद होगी रिलीज

संवाददाता

बोकारो : फिल्मांकन के क्षेत्र में मायानगरी मुंबई में बोकारो का परचम लहराने वाले निर्देशक सुमित सागर की उपलब्धियों में एक और नया अध्याय जुड़ गया है। सुमित की नई भोजपुरी फिल्म 'दीदी के सिंदूरवा' की शूटिंग पूरी हो गई। रियल फील एंटरटेनमेंट के बैनर तले बन रहे इस सम्पूर्ण पारिवारिक भोजपुरी फिल्म की शूटिंग 11 जून को शुरू हुई थी। लगभग एक महीने तक मुंबई से आए कलाकारों और फिल्म विशेषज्ञों का जमावड़ा लगा रहा। श्यामा माई मंदिर, होटल राजदूत सहित चास-बोकारो के विभिन्न स्थानों पर इसकी शूटिंग की गई। बुधवार को यह जानकारी देते हुए निर्देशक सुमित ने बताया कि अगले एक से डेढ़ महीने के बाद फिल्म को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज किया जाएगा। जियो या जी सिनेमा पर इसे लांच किया जाएगा। इसके पहले मुंबई में इसकी एडिटिंग का काम पूरा किया जाएगा। फिल्म के निर्माता ललित शर्मा एवं राकेश पटेल हैं। फिल्म के कलाकार एवं तकनीकी सहायक कुछ बोकारो से हैं। इसके अलावा मुंबई, उत्तर प्रदेश, बिहार आदि भी कलाकारों को लिया गया है। फिल्म के मुख्य कलाकारों में कुलदीप कुमार, पूजा गांगुली, रूपा सिंह, संचिता राय, शाहीन परवीन हैं। संगीतकार राकेश पांडेय, गीतकार संजय स्नेही, संवाद एवं मोहन के हैं।

ससुराल से बहू के जुड़ाव और दो बहनों की है कहानी

निर्देशक सुमित ने बताया कि यह फिल्म परिवार में स्नेह पर आधारित है। एक बहू को अपने ससुराल में अपने सास-ससुर, पति, देवर-ननद का भरपूर स्नेह मिलता है और बहू भी उसी प्रकार अपना कर्तव्य निभाती है। लेकिन, उस परिवार को एक वारिस दे पाने में वह अक्षम है, जिसके कारण वह अपनी छोटी बहन को अपना सुहाग दे देना चाहती है। लेकिन, छोटी बहन ऐसा नहीं चाहती। मां बनने के साथ ही उस बहू की मृत्यु तय बताई जाती है। परिवार के स्नेह की खातिर यह बात बहू ने अपने पति से छिपाई और जब मां बनने के लिए अपनी जिंदगी को दांव पर लगा दिया। पति ने सावित्री-सत्यवान की तरह अपनी पत्नी के लिए खूब प्रार्थना की और अंततः बहू की जान बन गई। डाक्टरों ने भी इसे एक चमत्कार बताया। सुमित ने कहा कि फिल्म परिवार में एक-दूसरे का साथ देने का संदेश देती है। उन्होंने आशा जताई है कि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर एक नया कीर्तिमान स्थापित कर सकती है।

बोले डायरेक्टर- बोकारो में फिल्मांकन का सपना पूरा

फिल्म के निर्देशक सुमित सागर पहले मुंबई में अलग-अलग निर्माताओं के लिए काम कर चुके हैं, लेकिन उनका यह कहना है कि वो हमेशा से बोकारो में एक अच्छी कहानी पर काम चाहते थे और इस बार उन्हें एक सशक्त विषय पर काम करने का अवसर मिला है। उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रोजेक्ट के बाद अगले नए प्रोजेक्ट (वेब सीरीज) की भी शूटिंग आने वाले नवंबर से शुरू करने जा रहे हैं। सुमित इसके पूर्व दर्जनों धारावाहिक एवं फिल्मों का निर्देशन कर चुके हैं।

AFFIDAVIT

I, VIKASH PRAJAPATI, S/o - Rajendra Prajapati, R/o- Village- Jora Bandh Champi, P.O.-Champi, P.S.-Petarwar, District- Bokaro (Jharkhand), PIN-829121 declare before the Court of Sri Praveen Kumar, Executive Magistrate, Bermo at Tenughat vide affidavit no. 3234/24.06.24) that in my 'Aadhaar' (5700 8678 8195) and PAN Card (No. ESGPP0451J) my name has been mentioned as VIKASH PRAJAPATI. In my bank account of Bank of India, Tenughat Branch my name has been mentioned as VIKASH KUMAR PRAJAPATI. VIKASH PRAJAPATI and VIKASH KUMAR PRAJAPATI are the names of same and one person ie. myself. I am swearing this affidavit for rectification my name as VIKASH PRAJAPATI in place of VIKASH KUMAR PRAJAPATI.

सभी दंत समस्याओं का एक समाधान

डॉ. नरेन्द्र मेमोरियल डेंटल सेंटर

138 को-आपरेटिव कॉलोनी (बोकारो)

दांत एवं मुंह संबंधी सभी बीमारियों के इलाज की पूर्ण सुविधा।

समय : सुबह 9.30 से दोपहर 2.30 बजे तक
संध्या 5.00 बजे से रात 9.00 बजे तक
(शनिवार अवकाश)

डा. निकेत चौधरी (संध्या में)

जन्नत के दुश्मनों को जहन्नुम भेजने की मुहिम शुरू

ऑपरेशन 'सर्प विनाश'... आतंकियों का फन कुचलने में जुटे जवान

ब्यूरो संवाददाता

नई दिल्ली : देश का जन्नत कहे जाने वाले जम्मू-कश्मीर का अमन-चैन छीनने वाले देश के दुश्मनों को जहन्नुम भेजने की पूरी तैयारी के साथ, खासकर भारतीय सेना ने खास मुहिम शुरू कर दी है। जम्मू संभाग के डोडा जिले में एक कर्नल और तीन जवानों की शहादत के बाद सेना ने सीमा पार से घुसपैठ कर जंगलों में छिपे आतंकवादियों पर कार्रवाई के लिए ऑपरेशन 'सर्प विनाश' शुरू कर दिया है। इसके जरिए आतंकियों का फन कुचलने के लिए जवान निकल पड़े हैं। कश्मीर घाटी के सपाट इलाकों को छोड़कर इस बार आतंकवादियों ने पीर पंजाल की दक्षिणी पहाड़ियों में नया ठिकाना बनाया है। यहां के घने जंगलों की प्राकृतिक गुफाओं और सुरंगों में छिपकर आतंकी लगातार सेना को निशाना बना रहे हैं।

जानकार बताते हैं कि पीर पंजाल की दक्षिणी पहाड़ियों में बड़ी-बड़ी चट्टानों से सुरंग और गुफाएं बनी हैं, जिनका इस्तेमाल 90 के दशक में सीमा पार से घुसपैठ करने वाले आतंकी करते थे। तब सेना ने बड़ी संख्या में तैनाती करके यहां से आतंकवाद का पूरी तरह सफाया कर दिया था। उस समय यहां आतंकरोधी ग्रिड बनाई गई थी, लेकिन खात्मे के बाद हटा ली गई। इलाके में शांति आने के बाद सेना की तैनाती भी कम कर दी गई, लेकिन अब सेना की कमी से आतंकियों ने फिर यहां ठिकाना बना लिया है।

सीमा पार से करीब 50 आतंकियों ने घुसपैठ की है। इस समय राजौरी, पुंछ में 12 और डोडा, रियासी में 20 आतंकियों के छिपे होने की आशंका है। ऑपरेशन सर्प विनाश के तहत चलाये जाने वाले अभियान में कुपवाड़ा जिले के केरन इलाके में बीते हफ्ते सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ हुई, जिसमें सुरक्षाबलों ने दो आतंकवादियों को मार गिराया है।

पाक को सर्जिकल स्ट्राइक का डर

डोडा के घने जंगलों में आतंकवादियों के घात लगाकर किये गए हमले में एक कैप्टन समेत चार जवानों के बलिदान से एक बार फिर पाकिस्तान को सर्जिकल स्ट्राइक का डर सताने लगा है। यही वजह है कि पाकिस्तान की वायु सेना ने अपनी लड़ाकू हवाई गश्त बढ़ा दी है। जम्मू रीजन में 78 दिन के भीतर 11 आतंकी हमले हुए हैं, जिनमें 11 जवान शहीद हुए हैं। चार साल से एलओसी पर सीज फायर बरकरार रहने और पीर पंजाल की पहाड़ियों के दक्षिणी ओर आतंकी हमले बढ़ने से खुफिया एजेंसियों पर सवाल उठने लगे है।

78 दिनों में 11 हमले कश्मीरी टाइगर्स की करतूत, ली जिम्मेदारी

जम्मू-कश्मीर में पिछले 78 दिनों में हुए 11 आतंकी हमलों की जिम्मेदारी 'कश्मीर टाइगर्स' ने ली है, जो मसूद अजहर के संगठन जैश-ए-मोहम्मद का दूसरा नाम है। इन आतंकियों को पीओके में ट्रेनिंग मिली है। आतंकवादी हमलों के बीच पिछले माह एक खुफिया रिपोर्ट में पुंछ और राजौरी सेक्टर में करीब 40 विदेशी आतंकवादियों के मौजूद होने की जानकारी दी थी। सेना ने डोडा जिले में एक कर्नल और तीन जवानों की शहादत पर ऑपरेशन 'सर्प विनाश' शुरू कर दिया है। इस क्षेत्र में आतंकवादियों की तलाश में भारतीय सेना ड्रोन और हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल कर रही है, क्योंकि आतंकी पहाड़ियों की ऊंचाई पर बैठकर सेना को निशाना बना रहे हैं। आतंकियों की खोज में स्नीपर डॉग यूनिट को भी लगाया गया है।

CASHLESS FACILITY CASHLESS FACILITY CASHLESS FACILITY
शिवम् हॉस्पीटल में
सेल के रिटायर्ड कर्मचारियों के लिए
मोतियाबिन्द का ऑपरेशन
एवं लेंस लगाया जाता है।

E-2, LAXMI MARKET, SECTOR-4, B.S.CITY-827004
PH: 06542-232623/233475, MOB: 7488090631

GURU GOBIND SINGH EDUCATIONAL SOCIETY'S TECHNICAL CAMPUS
COLLEGE OF ENGINEERING & MANAGEMENT
Approved by AICTE, Ministry of HRD, Govt. of India, New Delhi, Affiliated to Jharkhand University of Technology, Ranchi
NO.1 Engineering, Management, Application & Fashion College of Jharkhand
Means-cum-Merit schoolarship SAT-2024
Registration Open for Session 2024-25
B.Tech.
Computer Science & Engg.
CSE (Data Science)
CSE (Cyber Security)
Fashion Technology
Mechanical Engineering
Civil Engineering
Electrical & Electronics Engg.
Electronics & Comm. Engg
M.B.A.
Finance
Human Resources (HR)
Marketing
B.B.A & B.C.A
For BBA, Passed 10+2 with Minimum 45% Marks for General & 40% for Reserved in any discipline Science/Arts/Commerce
DIPLOMA IN ENGINEERING
• EEE
• ME
• Civil
for Diploma
10th Complete
from any batch
• No.1. Engineering, Management Application & Fashion College of Jharkhand.
• No Tuition Fees for E-Kalyan eligible Students.
• Flexible time table for working Professionals in B.Tech & MBA as a regular course.
• Excellent Placement Assistance. NIRF Ranking-MOUs with Industries
ISO 9001:2015 EAT RIGHT CAMPUS CERTIFIED
Admission Process
▸ Passed Diploma examination from an AICTE approved institution with minimum 45% marks (40% for Reserved category) in any branch of engineering/ Technology
▸ For BCA, Passed 10+2 examination with minimum 45% marks (40% for Reserved category) in any discipline (Science/ Arts/ Commerce) with Mathematics Business, Mathematics/Computer Science/ Information Practices/ Information Technology/ Statistics as one of the subjects.
▸ For MBA, recognized Bachelor's Degree of minimum 3 years duration, obtained at least 50% marks (45% far reserved category) in the qualifying examination.
▸ Passed 10+2 examination from any recognized board with Physics, Chemistry and Mathematics with 45% marks (40% for reserved category) through JEE Rank.
CONTACT US : GGSESTC, Kandra (V), Chas, Bokaro, Jharkhand - 827013
06542-265293, 7992284995
7992415822, 9822732264
www.ggsestc.ac.in
info@ggsestc.ac.in

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी विजय कुमार झा द्वारा डीबी कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविन्दपुर रोड, जीके आश्रम, धनबाद से मुद्रित एवं सेक्टर-3बी/94, बोकारो स्टील सिटी (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक : विजय कुमार झा***
प्रबंध संपादक : **कंचन झा**, दिल्ली ब्यूरो : **कैप्टन संजय,** फोन/फैक्स : (06542) 246899, E-mail : mithilavarnan@gmail.com, आरएनआई. पंजीयन संख्या : 48973/89 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिये जिम्मेवार)